बुधवार, 5 मार्च 2025

मौसम

तापमान 33 – 20
आर्द्रता 57%
सूर्योदय: 5:54 सूर्यास्त: 17:41

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, फाल्गुन शुक्लपक्ष षष्ठी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

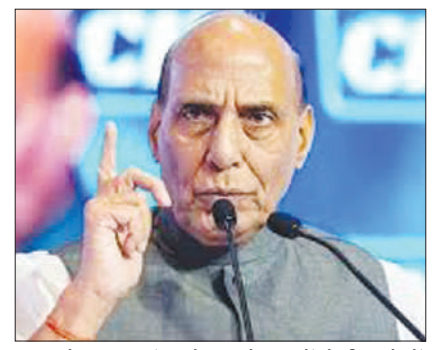

भारत के सुरक्षा तंत्र को उभरते खतरों से निपटने में सक्षम बने रहना चाहिए: राजनाथ सिंह –पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : सत्य और तथ्य में बहुत बड़ा अंतर है तथ्य सत्य को छिपा सकते हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी से किया बाहर

2023 का बदला पूरा

दुबई : सोलह महीने पहले वनडे विश्व कप फाइनल में और चौदह साल से आईसीसी टूर्नामेंटों के नॉकआउट मुकाबलों में मिली हर हार का बदला चुकता करते हुए भारत ने मंगलवार को आस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर पांचवीं बार चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में प्रवेश कर लिया और एक बार फिर जीत के नायक रहे विराट कोहली। भारत की जीत के साथ ही यह भी तय हो गया कि चैम्पियंस ट्रॉफी का फाइनल नौ मार्च को दुबई में ही खेला जायेगा जिसमें भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका या न्यूजीलैंड से होगा। अगर आस्ट्रेलिया जीतती तो फाइनल लाहौर में खेला जाना था। आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टीव स्मिथ (73) और एलेक्स कैरी (61) के अर्धशतकों के दम पर 48 . 1 ओवर में 264 रन बनाये जिसके जवाब में भारत ने 11 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। 'प्लेयर आफ द मैच' कोहली ने 98 गेंद में पांच चौकों की मदद से 84 रन बनाये। 19 नवंबर 2023 को कप्तान रोहित शर्मा समेत करोड़ों क्रिकेटप्रेमियों की आंखों में आंसू थे जब अहमदाबाद में आस्ट्रेलियाई टीम ने भारत का विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा था। इसके अलावा भी आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंटों में आस्ट्रेलिया भारत के लिये 'अभेद किला' साबित होता रहा है जिसमें आखिरी बार हम 2011 वनडे विश्व कप में ही सेंध लगा पाये थे। उन सभी नाकामियों से मिले हर जख्म पर मरहम लग गया जब केएल राहुल ने 49वें ओवर की पहली गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल को छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। कोहली को श्रेयस अय्यर से पूरा सहयोग मिला जिन्होंने 45 रन बनाये और तीसरे विकेट के लिये 91 रन की साझेदारी भी की। इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा (28) और शुभमन गिल (नौ) सस्ते में आउट हो गए थे। बल्लेबाजी की मददगार पिच पर कोहली का बल्ला खूब चला और बड़े शॉट खेलने की बजाय उन्होंने संयम से अपनी पारी को आगे बढाया। वनडे पारियों में स्पिनरों के खिलाफ पिछले कुछ अर्से में नाकाम साबित होते आये कोहली ने यहां आस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा को बखूबी खेला। उन्होंने अपनी पारी में शानदार पूल और ड्राइव लगाये। अय्यर और अक्षर पटेल (27) एक के बाद एक विकेट गंवा बैठे लेकिन कोहली ने 53 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्हें स्पिनर कूपर कोनोली की गेंद पर मैक्सवेल से जीवनदान भी मिला जब उनका स्कोर 51 रन था। लेकिन जम्पा की गेंद पर लांग आन के पास बेन ड्वारशुइस को कैच देकर वह उस समय आउट हुए जब भारत को 40 रन की जरूरत थी। राहुल (नाबाद 42) और हार्दिक पंड्या (28) ने आक्रामक शॉट्स खेलकर भारत को जीत तक पहुंचाया। वैसे इस जीत में श्रेय भारतीय गेंदबाजों का भी है। भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया और आस्ट्रेलिया को 264 रन पर आउट कर दिया।

कोहली बने हीरो

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

चीन का अमेरिकी उत्पादों पर 15 प्रतिशत का जवाबी शुल्क, कई कंपनियों पर भी कार्रवाई

बीजिंग : चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उसके (चीन के) निर्यात पर दूसरे दौर का 10 प्रतिशत शुल्क लगाने के जवाब में अमेरिकी उत्पादों पर अतिरिक्त 15 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। चीन ने इसके साथ ही विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में अमेरिका के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हालांकि, चीन ने एक-दूसरे की चिंताओं को दूर करने के लिए वार्ता के लिए दरवाजे खुले रखे हैं। चीन के सीमा शुल्क आयोग ने मंगलवार को कहा कि 10 मार्च से अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। आयोग ने बयान में कहा कि अमेरिका से आयातित चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर 15 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगेगा। वहीं ज्वार, सोयाबीन, सुअर का मांस (पोर्क), गोवंश का मांस (बीफ), जलीय उत्पाद, फल, सब्जियां और डेयरी उत्पादों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। इसके अलावा, चीन ने मंगलवार को 10 अमेरिकी कंपनियों को देश की गैर-भरोसेमंद इकाई सूची में जोड़ने और उनके खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई करने का फैसला किया। इनमें रक्षा और सुरक्षा के अलावा कृत्रिम मेधा (एआई), विमानन, आईटी और 'दोहरे उपयोग' वाली वस्तुओं से जुड़ी कई कंपनियां शामिल हैं।

मेक्सिको और कनाडा से आयात पर 25 फीसदी शुल्क मंगलवार से लागू : ट्रंप

वाशिंगटन : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि मेक्सिको एवं कनाडा से आयात पर 25 फीसदी शुल्क मंगलवार से लागू होगा। इससे उत्तर अमेरिका में व्यापार युद्ध की आशंकाएं फिर से पैदा हो गई हैं, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ने और विकास में बाधा उत्पन्न होने के संकेत पहले ही मिल चुके हैं। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, कल – कनाडा पर 25 प्रतिशत और मेक्सिको पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा और इसकी शुरुआत हो जाएगी। राष्ट्रपति ने कहा कि शुल्क का उद्देश्य दोनों अमेरिकी पड़ोसियों को मादक पदार्थ फेंटेनाइल तस्करी के खिलाफ लड़ाई तेज करने और अवैध आव्रजन को रोकने के लिए मजबूर करना है।

पॉक्सो मामलों की सुनवाई के लिए पर्याप्त संख्या में न्यायाधीश नहीं: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि देश की अधीनस्थ अदालतों में पर्याप्त न्यायाधीश नहीं हैं जो यौन अपराधों से बच्चों की रक्षा (पॉक्सो) कानून के तहत बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों से निपटने के लिए प्रत्येक जिले में एक विशेष अदालत स्थापित करने जैसे उसके निर्देशों को लागू कर सकें। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ स्वत: संज्ञान लेकर 2019 के एक मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसका शीर्षक है, ''बच्चों के साथ बलात्कार की घटनाओं की संख्या में चिंताजनक वृद्धि के संबंध में।'' शीर्ष अदालत ने 2019 में कई निर्देश पारित किए, जिसमें बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों से विशेष रूप से निपटने के लिए पॉक्सो अधिनियम के तहत 100 से अधिक प्राथमिकी वाले प्रत्येक जिले में केंद्र द्वारा वित्त पोषित नामित अदालत की स्थापना करना शामिल था। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने मंगलवार को कहा कि जिला अदालतों में रिक्तियों को ध्यान में रखते हुए कुछ निर्देश अधूरे रह गए हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे पास जिला अदालतों में न्यायाधीश नहीं हैं। कई सालों से रिक्तियां खाली पड़ी हैं। हमें जिला न्यायपालिका में पर्याप्त न्यायाधीश नहीं मिल रहे हैं।''

कोलकाता में दिल दहला देने वाली घटना

फंदे से लटके थे पति-पत्नी, पापा के शव से बंधी मिली बच्चे की लाश

संपत्ति विवाद में रिश्तेदार गिरफ्तार

कोलकाता : कोलकाता के कसबा थाना इलाके में एक ही परिवार के तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। मंगलवार को हाल्टू पूर्व पल्ली इलाके में एक घर से पति-पत्नी और उनके ढाई साल के मासूम बेटे के शव बरामद हुए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संपत्ति विवाद के ऐंगल से भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इस मामले में मृतक के रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया गया है।

मकान से मिले तीन शव, पति-पत्नी फंदे से लटके और बेटे का शव बंधा मिला

पुलिस को घर में घुसते ही दिल दहला देने वाला दृश्य देखने को मिला। 40 वर्षीय सोमनाथ राय और उनकी पत्नी सुमित्रा राय (35) फंदे से झूल रहे थे, जबकि उनका ढाई साल का बेटा रुद्रनील अपने पिता के शव से बंधा हुआ था।

संपत्ति विवाद की ओर इशारा कर रही दीवार पर लिखी बातें

पुलिस को घटनास्थल पर दीवार पर लिखी कुछ बातें मिलीं, जिनमें संपत्ति विवाद से जुड़े कुछ नामों का जिक्र किया गया था। जांच अधिकारियों को संदेह है कि सोमनाथ और उसके परिवार पर मानसिक दबाव था, जिसके कारण यह घटना हुई।

आर्थिक तंगी से जूझ रहा था परिवार, कर्ज चुकाने के बाद की आत्महत्या

जानकारी के मुताबिक, सोमनाथ ऑटो चालक था और उस पर कुछ कर्ज था। बेटे की बीमारी के इलाज के लिए उसने ऑटो यूनियन से 8,000 रुपये उधार लिए थे। मरने से ठीक एक दिन पहले उसने यह कर्ज चुका दिया था। इसके अलावा, अन्य जगहों से लिया गया कर्ज चुकाने के लिए उसने एक ऑटो भी बेच दिया था, लेकिन परिवार में तनाव कम नहीं हुआ।

मृतक के रिश्तेदार गिरफ्तार, आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सोमनाथ और उसकी पत्नी का उनके रिश्तेदारों के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। इसी कड़ी में पुलिस ने मृतक के मामा प्रदीप कुमार घोषाल और मामी नीलिमा घोषाल को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और साजिश रचने के आरोप में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस जांच जारी, अन्य कोणों से भी हो रही पड़ताल

पुलिस इस मामले को केवल आत्महत्या के रूप में नहीं देख रही है, बल्कि हत्या की आशंका को भी खारिज नहीं कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में अन्य संदिग्ध पहलुओं की भी जांच की जा रही है और अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोमनाथ और उसका परिवार लगातार मानसिक तनाव में था, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह इतनी बड़ी त्रासदी का रूप ले लेगा।

भारत को 2050 से पहले विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य: राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि ''हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य'' इस सदी के पूर्वार्द्ध के अंत से पहले भारत को एक विकसित देश बनाना है। यहां राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय 'विजिटर्स कॉन्फ्रेंस' में अपने समापन भाषण में उन्होंने यह भी कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के सभी हितधारकों और विद्यार्थियों को वैश्विक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रयासों और सहयोग को मजबूत करने से विद्यार्थी 21वीं सदी की दुनिया में अपनी एक अधिक प्रभावी पहचान बना सकेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि देश में उच्च शिक्षण संस्थानों में उत्कृष्ट शिक्षा की उपलब्धता से विदेश में अध्ययन करने की प्रवृत्ति में कमी आएगी और देश की युवा प्रतिभाओं का राष्ट्र निर्माण में बेहतर उपयोग हो सकेगा। उन्होंने कहा, ''हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य इस सदी के पूर्वार्द्ध के अंत से पहले भारत को एक विकसित देश बनाना है।'' मुर्मू ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा, ''आत्मनिर्भर होना वास्तव में विकसित, बड़ी और मजबूत अर्थव्यवस्था की पहचान है। शोध और नवाचार पर आधारित आत्मनिर्भरता हमारे उद्यमों और अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। इस तरह के शोध और नवाचार को हर संभव समर्थन मिलना चाहिए।''

भारत में हाइड्रोजन ट्रक की एंट्री

नयी दिल्ली : देश में जल्द ही हाइड्रोजन से बसों, ट्रकों को चलाने की तैयारी है। प्रदूषण को नियंत्रित करने और नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को बढ़ावा देते हुए सरकार ने हाइड्रोजन गैस से बसों, ट्रकों को चलाने के लिए पांच पायलट परियोजनाएं शुरू की हैं। ये वाहन ग्रेटर नोएडा-दिल्ली-आगरा, साहिबाबाद-फरीदाबाद-दिल्ली समेत 10 अलग-अलग मार्गों पर चलेंगे। देश में प्रदूषण को कम करने और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों पर काम किया जा रहा है। इसी दिशा में टाटा मोटर्स और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने मिलकर देश के पहले हाइड्रोजन ट्रक का ट्रायल शुरू किया है। यह ट्रक दो तरह की नई तकनीक पर आधारित होगा पहला पूरी तरह से हाइड्रोजन से चलने वाला इलेक्ट्रिक ट्रक और दूसरा हाइड्रोजन इंटरनल कम्बस्चन इंजन से चलने वाला ट्रक। सरकार की नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन योजना के तहत यह ट्रायल किया जा रहा है, जिसमें हाइड्रोजन ईंधन का इस्तेमाल कर प्रदूषण कम करने पर जोर दिया जाएगा। अगले 18 महीनों में देश के चार प्रमुख कॉरिडोर पर हाइड्रोजन से चलने वाली बसें और ट्रक चलाने की योजना है।

भारत को भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रही दुनिया, इसका लाभ उठाए उद्योग जगत: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय उद्योग जगत से ऐसे समय में वैश्विक अवसरों का लाभ लेने के लिए 'बड़े कदम' उठाने का आह्वान किया, जब दुनिया भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए दो मिशन शुरू करेगी। नियामकीय, निवेश और कारोबारी सुगमता के सुधारों पर बजट-बाद वेबिनार को संबोधित करते हुए मोदी ने उद्योग जगत से ऐसे नए उत्पादों की पहचान करने को कहा, जिनका विनिर्माण देश में किया जा सके और वैश्विक मांग को पूरा किया जा सके। मोदी ने उद्योग जगत से कहा, हमारा देश ये करने में सक्षम है, आप सभी (उद्योग जगत) सक्षम हैं, ये हमारे लिए बहुत बड़ा अवसर है। मैं चाहता हूं कि हमारा उद्योग जगत दुनिया की इन अपेक्षाओं को सिर्फ दर्शक बनकर न देखे। हम दर्शक बनकर नहीं रह सकते, आपको इसमें अपनी भूमिका तलाशनी होगी, आपको अपने लिए अवसर तलाशने होंगे। प्रधानमंत्री ने देशभर में छह करोड़ से अधिक सूक्ष्म, लघु और मझोली इकाइयों को समय पर और कम लागत वाले धन तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ऋण वितरण के नए तरीके विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि पहली बार उद्यम शुरू कर रही पांच लाख महिलाओं, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उद्यमियों को दो करोड़ रुपये तक का कर्ज दिया जाएगा। मोदी ने कहा, आज भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वृद्धि का इंजन है। भारत ने कठिन समय में भी अपनी जुझारू क्षमता साबित की है... आज हर देश भारत के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। हमारे विनिर्माण क्षेत्र को इस साझेदारी का लाभ उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की निरंतरता और सुधारों के प्रति भरोसे के कारण उद्योग जगत को नया आत्मविश्वास मिला है। मोदी ने कहा, मैं विनिर्माण और निर्यात क्षेत्र के हितधारकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में भी यह जारी रहेगा। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और बड़े कदम उठाएं। देश के विनिर्माण और निर्यात क्षेत्र के लिए नए रास्ते खुले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एमएसएमई को न केवल कर्ज, बल्कि मार्गदर्शन की भी जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि उद्योगों को उनके समर्थन के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम शुरू करने चाहिए। मोदी ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए स्थिर नीति और बेहतर कारोबारी माहौल महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार ने केंद्र और राज्य स्तर पर 40,000 से अधिक अनुपालन समाप्त कर दिए हैं और जन विश्वास 2.0 विधेयक पर काम कर रही है। मोदी ने कहा, हम जन विश्वास 2.0 विधेयक पर काम कर रहे हैं। हमने गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया है। हमारा प्रयास उन्हें आधुनिक, मजबूत, लोगों के अनुकूल और विश्वास आधारित बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए दो मिशन शुरू करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बेहतर प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता-पूर्ण उत्पादों पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी हितधारकों से वैश्विक स्तर पर मांग वाले नए उत्पादों की पहचान करने का आग्रह किया, जिन्हें भारत में बनाया जा सके।

निजी अस्पतालों में दवा दुकानों पर दवा की कीमतों के संबंध में सरकार को करना है फैसला : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने निजी अस्पतालों के भीतर स्थित दवा दुकानों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की अधिक कीमतों के संबंध में याचिका पर उचित नीतिगत निर्णय लेने का काम मंगलवार को सरकार पर छोड़ दिया। एक जनहित याचिका में आरोप लगाया गया कि मरीजों को निजी अस्पतालों में संचालित दवा दुकानों से ऊंची दर पर दवाएं और चिकित्सा उपकरण खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। न्यायालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि उसके द्वारा दिया गया कोई भी अनिवार्य निर्देश निजी अस्पतालों के कामकाज में बाधा उत्पन्न कर सकता है और इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने विधि छात्र सिद्धार्थ डालमिया और उनके वकील पिता विजय पाल डालमिया द्वारा दायर जनहित याचिका का निपटारा कर दिया। याचिका में आरोप लगाया गया कि निजी अस्पताल मरीजों और उनके तीमारदारों को परिसर स्थित दवा दुकानों या उनसे संबद्ध दवा दुकानों से दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर करते हैं और उनसे दवाओं, प्रतिरोपण और चिकित्सा उपकरणों के लिए ऊंची कीमतें वसूली जाती हैं।

दादागिरी के तेवरों से भारत भी रहे सतर्क

बीते शुक्रवार अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जो अप्रिय विवाद हुआ, उसे पूरी दुनिया ने देखा। विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता,यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है। एक तो रूस के द्वारा कब्जाये क्षेत्र को वापस न देने की बात की जा रही है तो दूसरे इस बात की गारंटी भी नहीं दी जा रही है कि रूस फिर से हमला नहीं करेगा। दरअसल, जेलेंस्की रूस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इस लिये उसकी सोच रही है कि पहले अमेरिका उसे सुरक्षा की गारंटी दे। ऐसी मांग करना कोई गलत भी नहीं है क्योंकि पिछले तीन साल से यूक्रेन लगातार रूस के घातक हमलों को झेल रहा है।

लेकिन पूरी दुनिया में यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि ट्रंप शांति स्थापना के प्रयासों की कीमत यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज कब्जाकर वसूलें। फिलहाल ट्रंप व जेलेंस्की की नोकझोंक के बाद समझौता व युद्धविराम का मसला खटाई में जाता दिख रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि यूरोपीय देशों के यूक्रेन के पक्ष में एकजुट होने के बाद भी उसका लंबे समय तक युद्ध में टिका रहना संभव न होगा। यही वजह है कि यूरोप के भरपूर समर्थन के बावजूद निश्चित नहीं कहा जा सकता कि यूक्रेन रूस का मुकाबला पहले ही तरह कर पाएगा। वहीं वजह साफ है कि नाटो के यूरोपीय सदस्य बिना अमेरिकी मदद के यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। वहीं दूसरी ओर कूटनीतिज्ञों का कहना है कि एक महाशक्ति से युद्धरत रहते हुए यूक्रेन दूसरी महाशक्ति को नाराज नहीं कर सकता। दरअसल, यूक्रेन में रूस ही नहीं, अमेरिका व यूरोपीय देश भी अपने हित देखकर कदम उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ट्रंप से टकराव की कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़ सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलेंस्की के व्हाइट हाउस आने से पहले ट्रंप जोर्डन, ब्रिटेन, फ्रांस के शीर्ष नेताओं के साथ तल्ख व्यवहार कर चुके थे। हालांकि, भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप से मुलाकात के दौरान किसी भी टकराव को टालने को अपनी प्राथमिकता बनाए रहे। भारत को पता है कि ट्रंप जब कनाडा व यूरोपीय देशों के नेताओं को नहीं बख्श रहे तो हमें अपने सम्मान व हितों की रक्षा खुद करनी होगी। वह भी तब जब ट्रंप अमेरिका फर्स्ट का नारा लगातार लगा रहे हैं। उन्होंने टैरिफ लगाने में गोरे देश कनाडा तथा चीन को भी नहीं बख्शा। भारत के टैरिफ के भेदभाव को लेकर ट्रंप लगातार मुखर रहे हैं। कथित अवैध अप्रवासी भारतीयों के साथ अमेरिका ने जैसा अमानवीय व्यवहार किया,वह किसी से छिपा नहीं है। भारत को अच्छी तरह पता है कि हमारा सदाबहार मित्र रूस अब ट्रंप के करीब है और ब्रिक्स के देश चीन के ज्यादा नजदीक हैं। ऐसे में हमें अपने हितों की रक्षा अपने बूते ही करनी होगी।

नशे के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध कारगर साबित हो

ललित गर्ग

पंजाब में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा करने का सरकार दावा खोखला साबित न होकर सकारात्मक एवं प्रभावी परिणाम लाये, यह अपेक्षित है। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान उग्र, आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत की भांति कोरा दिखावा न साबित हो, यह देखना जरूरी है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। जरूरत है मान सरकार का नशा एवं नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिखे। ताकि नशे के जाल में फंसे युवाओं एवं आमजन को बचाया जा सके।

ड्रग्स उपभोग के मामले में पंजाब की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बन गई है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। इसमें शराब आदि का डाटा शामिल नहीं है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी। सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और देखने को मिलती है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार करने का कोई प्रभावी उपक्रम कर रहे हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं, पाकिस्तान के षडयंत्र हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। अगर कोई पडोसी देश चाहे तो नशे के आतंक से देश को खत्म कर सकता है। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे सीमाओं की सुरक्षा होगी? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों है पंजाब सरकार?' सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है।

पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। पंजाब सरकार की ताजा सख्त कार्रवाई का संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। इससे प्रतीत होता है कि सरकार एवं ड्रग्स माफिया का चोली दामन का संबंध है। जिससे समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। प्रदेश में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है। अकेले एसटीएफ ने पंजाब भर में अलग-अलग जगहों पर छापामारी कर 2 करोड़ 68 लाख 77 हजार 596 कैप्सूल व नशीली दवाइयां पकड़ी हैं। कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन ज्यादातर फरीदकोट, बठिंडा और पटियाला क्षेत्र में बढ़ा है।

पूर्व सरकारों ने जो दावे किए वे प्रभावहीन ही रहे हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।

हरियाणा में बोर्ड परीक्षा में नकल पर 'नायाब' सख्ती

सुशील कुमार 'नवीन'

हरियाणा में इन दिनों 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं जारी हैं। परीक्षा के पहले ही दिन से नकल रूपी दानव ने अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। सहयोगी बनने वालों की कोई कमी नहीं। जिसे देखो वहीं चार किताब काख़ में डाल परीक्षा केंद्रों के बाहर मंडरा रहे हैं। बोर्ड एग्जाम के पहले ही दिन से प्रश्न पत्र बाहर पहुंच रहे हैं। दसवीं बोर्ड की गणित विषय की परीक्षा ने इस बार ऐसी किरकरी कराई है कि खुद मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी को मोर्चा संभालना पड़ा है। कार्रवाई भी ऐसी हुई है कि दूसरे राज्यों के लिए भी यह उदाहरण बनेगी। बड़े-बड़े अधिकारियों को लपेट दिया गया है। डीसी-एसपी सब दौड़े फिर रहे हैं।

हुआ यूं कि परीक्षा शुरू होने के थोड़ी ही देर बाद तीन जगह परीक्षा केंद्र से पेपर बाहर आ गया। जगह-जगह पेपर हल कर परीक्षा केंद्र में खिड़की और छतों से परीक्षार्थियों तक पर्चियां पहुंचाती देखी गई। यहां तक कई जगह पुलिस और अध्यापकों की मौजूदगी में भी पर्चियां को भिजवाना देखा गया। मीडिया में मामला उछला तो सरकार और प्रशासन की खूब किरकरी हुई। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री को इस मामले में तुरंत प्रभाव से लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी करने पड़े। इस मामले में अब तक 4 पुलिस उप अधीक्षक, 3 थाना प्रभारी समेत 25 पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है। इसके अलावा चार राजकीय और एक निजी स्कूल के परीक्षा निरीक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। यहीं नहीं चार परीक्षा निरीक्षकों और इन केंद्रों के समस्त परीक्षा स्टाफ को भी निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा 8 परीक्षार्थियों और 4 अन्य के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

चार डीएसपी समेत 25 अफसर सस्पेंड, 17अन्य फंसे

सस्पेंशन वालों में 4 डीएसपी, 3 एसएचओ, 8 छात्रों पर भी एफआईआर

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के डीसी और एसपी को भी यह सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं कि धारा-163 की पालना सुनिश्चित हो। परीक्षा केंद्र के 500 मीटर के दायरे में कोई व्यक्ति अनाधिकृत प्रवेश करता पाया गया तो पुलिस की जिम्मेदारी होगी। साथ ही पेपर आउट व नकल की शिकायत आती है तो जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा। एसपी को निर्देश दिए हैं कि बोर्ड परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्र की सुरक्षा चाकचौबंद होनी चाहिए। सीएम के निर्देश मिलते ही पुलिस और प्रशासन पूर्ण रूप से सक्रिय हो गया है। सोमवार की परीक्षा में आला अधिकारी खुद मोर्चा संभालते दिखे।

प्रदेश सरकार ने अब यह भी फैसला लिया है कि परीक्षाओं में जहां इस बार बाहरी हस्तक्षेप है या नकल के मामले सामने आएंगे, वहां भविष्य में परीक्षा केंद्र ही नहीं बनाया जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने भी पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि जिस दिन बोर्ड की परीक्षा हो, उस दिन नॉन वर्किंग-डे घोषित किया जाए। जिन कर्मचारियों की डयूटी परीक्षा में लगी है, वहीं आयेंगे।

शिक्षा बोर्ड ने 588 केंद्रों पर पूर्ण समय के लिए ऑब्जर्वरों की नियुक्ति की गई है। बोर्ड सचिव के अनुसार प्रश्न-पत्रों पर अल्फा न्यूमेरिक कोड, क्यूआर कोड और हिडन सिक्योरिटी फीचर हैं। अगर कोई प्रश्न पत्र की फोटो खींचेगा तो तुरंत पता लग जाएगा कि प्रश्न पत्र कहां से आउट हुआ है और किस परीक्षार्थी का है। इस पर केंद्र के अधीक्षक, पर्यवेक्षक व अन्य स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चलिए अब बात को थोड़ा आगे बढ़ाते है कि इस तरह की सख्ती की जरूरत क्यों पड़ी? नकल सामाजिक बुराई है। नकल करना पाप है। नकल से बचे, यह धीमा जहर है। नकल भविष्य से भटकाने वाली है। नकल करना और करवाना युवा वर्ग को लक्ष्य और दिशाहीन करना है। नकल के परिणाम दूरगामी होते हैं। जब भी परीक्षाओं का दौर शुरू होता है तो इस तरह के स्लोगन और विचार आम देखने को मिलते हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के बाहर बड़े-बड़े इश्तिहार लगाए जाते हैं, जिन पर मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा होता है- 'परीक्षा में नकल करना पाप है/ सामाजिक बुराई है।' फिर भी परीक्षाओं में नकल रूक ही नहीं पा रही। वर्ष 2015 में बिहार में भी नकल की तस्वीरें देशभर में वायरल हुई थी। परीक्षा के दौरान तीन मंजिले स्कूल की खिड़कियों और दीवारों से चिपक कर विद्यार्थियों के सहयोगियों और अभिभावकों ने बच्चों को नकल की पर्चियां पहुंचाने की तस्वीरें मीडिया में खूब चली थी। अगले ही दिन नकल कर रहे छात्रों को मदद करने के आरोप में होमगार्ड के 8 जवानों को गिरफ्तार किया गया। 500 से ज्यादा परीक्षार्थियों को निष्काषित भी कर दिया गया था। इसके बाद संभवतः हरियाणा में नकल के मामले में यह बड़ी कार्रवाई हुई है। ऐसा फिर न हो इसके लिए सिर्फ सरकार और प्रशासन से काम नहीं चलने वाला। इसके लिए सबसे पहले अभिभावकों और वहां के स्थानीय निवासियों का सहयोग जरूरी है। वे सहयोग करेंगे तो क्या मजाल कोई परीक्षा केंद्र में पहुंच जाए। इससे पहले भी काफी पंचायतों द्वारा ऐसा प्रयास किया गया है। पुलिस कर्मियों की कमी भी इस घटना का बड़ा कारण है। परीक्षा केंद्र में बाहरी तत्व पांच सौ और पुलिस कर्मी दो तो किस तरह नकल रुकेगी। मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद भी तो परीक्षा केंद्रों पर सख्ती हुई है। यही पहले होती तो किरकरी तो न होती। चाणक्य नीति में आचार्य चाणक्य का एक प्रसिद्ध श्लोक है:-

नात्यन्तं सरलैर्भाव्यं गत्वा पश्य वनस्थलीम्।
छिद्यन्ते सरलास्तत्र कुब्जास्तिष्ठन्ति पादपाः।।

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि व्यक्ति का ज्यादा सीधापन भी कई बार गले की फांस बन सकता है। उदाहरण देते हुए वे कहते हैं कि वन में सीधे पेड़ पहले काटे जाते हैं। क्योंकि इन्हें काटने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती।

विदेश की खबरें

जयशंकर की ब्रिटेन के मंत्रियों-- जोनाथन रेनॉल्ड्स, यवेट कूपर से मुलाकात

लंदन : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता की प्रगति पर चर्चा की। जयशंकर ने ब्रिटेन और आयरलैंड की अपनी छह दिवसीय यात्रा की शुरुआत में अपनी पहली दो आधिकारिक बैठकों के बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी दी। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना है। रेनॉल्ड्स से मुलाकात के बाद जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमने एफटीए वार्ता की प्रगति पर चर्चा की।'' पिछले महीने ब्रिटेन के मंत्री की दिल्ली यात्रा के दौरान भारत और ब्रिटेन ने आधिकारिक तौर पर वार्ता पुनः शुरू की थी, जिसका उद्देश्य 41 अरब पाउंड की वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी को बढ़ावा देना था। ब्रिटेन की गृह मंत्री यवेट कूपर के साथ जयशंकर की बैठक में दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को बढ़ाने और अतिवाद से निपटने के लिए भारत-ब्रिटेन के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने कहा, ''हमने प्रतिभा के प्रवाह, एक-दूसरे के यहां लोगों की आवाजाही तथा तस्करी एवं अतिवाद से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की।'' यात्रा से पहले एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि जयशंकर की यात्रा से ब्रिटेन और आयरलैंड के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध नवीनीकृत होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा था, भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जो रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोगों के बीच आपसी संबंधों समेत विविध क्षेत्रों में मजबूत हुई है। जयशंकर मंगलवार और बुधवार को ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ उच्च स्तरीय वार्ता करेंगे और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों तथा ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से मिलेंगे। बंद कमरे में होने वाली उनकी चर्चा हाल में पुनः शुरू की गई भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता, व्यापक विदेश नीति और सुरक्षा मुद्दों पर केंद्रित होगी। यह चर्चा इस मायने से भी अहम है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए ब्रिटेन कूटनीतिक नेतृत्व करने के प्रयास में जुटा है।

नेपाल में मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू : दक्षिणी नेपाल में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बिहार निवासी गौतम कुशवाहा (35), रंजन कुमार सिंह (30) और संजीव कुमार राम (40) को सोमवार को जीतपुर सिमारा उपमहानगरपालिका से गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 170 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। पुलिस ने एक होटल पर छापेमारी के बाद संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों को हिरासत में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 5 मार्च, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन शुक्लपक्ष षष्ठी, 12:55 तक , नक्षत्र :कृत्तिका, 25:10 तक , योग : वैधृति, 23:01 तक, सूर्योदयः 5:54, सूर्यास्तः 17:41, चन्द्रोदय : 09:29, चन्द्रास्तः 11:37, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : कुम्भ, चन्द्र राशि : मेष, राहू काल : 14:48 से 13:15

राशिफल

मेष : आज पुरानी बात को याद करके आप खुश होंगे। परिवार के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना चाहिये।

वृष : आज लक्ष्य के प्रति समर्पित रहेंगे। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मकता रहेगी। आय के स्रोत मजबूत होंगे। मन में नये-नये विचार पनपेंगे। विद्यार्थी अपनी शिक्षा को लेकर काफी जागरूक रहेंगे।

मिथुन :आज विरोधियों की बिल्कुल भी अनदेखी न करें। ज्यादा बिजी रहने के कारण स्वास्थ्य की अवहेलना न करें। ससुराल पक्ष से अपने सम्बन्ध अच्छे रखें।

कर्क : आज अपने कामों को अच्छी तरह से पूरा करेंगे। नयी नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। साझेदारी सम्बन्धी योजनाओं को शुरू करेंगे। जनकल्याण की योजनाओं में धन खर्च करेंगे।

सिंह : आज काम की अधिकता के बावजूद ऊर्जावान रहेंगे। प्रभावशाली लोगों से आपके सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे। छोटे बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

कन्या : आज लेन-देन में कुछ परेशानी हो सकती है। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी रिश्तेदार के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। सामाजिक सम्बन्धों में मजबूती आयेगी।

तुला : आज करियर की चिन्ता रहेगी। उच्च अधिकारी आपसे कुपित हो सकते हैं। स्वास्थ्य कुछ नरम हो सकता है इसीलिये लापरवाही बिल्कुल भी न करें। कार्यस्थल पर नई सूचना मिलेगी।

वृश्चिक : आज आपकी दिनचर्या काफी व्यवस्थित रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में परेशानी होगी। ऑफिस में आप काफी आसानी से अपने काम करेंगे। लवमेट के साथ अपने मन की बातें शेयर करेंगे।

धनु : आज वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। नये व्यापार की आप शुरूआत कर सकते हैं। मन में नये विचार उत्पन्न होंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के लिये दिन अच्छा है।

मकर : आज नया काम शुरू न करें। अपने कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कर लें। भाई-बहनों से सहायता लेने में संकोच न करें। बिजनेस के विस्तार में कुछ रुकावट आ सकती है।

कुम्भ : आज कार्यक्षेत्र में आपको काफी ध्यान देना होगा। आलस्यपन की वजह से आपके काम अधूरे छूट सकते हैं। प्रेम सम्बन्धों में ताजगी कम हो सकती है।

मीन : आज कारोबार के लिये उधार लेना चाहते हैं तो दस्तावेजों का सावधानी से अध्ययन करें। ऑफिस में टीमवर्क के कारण काम समय पर पूर्ण होंगे।

वर्ग पहेली नं. 3023

बायें से दायें:- 1) तानाशाही राज्य; दमन; जुल्म; हिंसा, 3) पूर्वज; बड़ा भाई, 6) लौटाया हुआ; पुनरागत, 8) बुलबुल, 9) बखान; निरूपण; डैस्क्रिप्शन, 11) अत्याचार; उत्पीड़न; निग्रह, 13) नाले की नली, 14) बहते पानी की आवाज; लहरध्वनि, 16) उपहार; दृष्टि, 18) दुर्गा, 19) जुगत, 20) वस्त्र; आकाश, 22) सम्माननीय, 24) पावती, 26) वैभव; सहजीकृत, 28) एक फल, 30) अज्ञानी, 31) शपथ.

ऊपर से नीचे:- 1) असतर्क; बेध्यान; असावधान, 2) सूजी, 3) भेदभावपूर्ण; भारत का एक घटक राज्य, 4) दूसरा बचपन; वृद्धावस्था, 5) तनिक-सा, 7) बिल्ला, 10) जलपत्र; धुआन; कैनाल, 12) जाली, 15) निकट, 17) अपमानजनक 18) साहसहीन, 19) सीप, 20) भीतर, 21) मोहर्रम; उपवास काल, 22) अज़ादारी; रोना धोना, 23) धरती, 25) अभ्यास करना, 27) निषिद्ध, 29) फूकी.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2983

5						7	4	
1			3		6			
					9			
			1	4		2		
	2			8				
		6						
							6	3
7	8							

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2982 का उत्तर

5	2	9	7	4	8	6	3	1
6	7	1	9	3	5	2	4	8
3	8	4	1	2	6	7	5	9
4	3	7	8	6	9	5	1	2
2	6	8	3	5	1	4	9	7
9	1	5	2	7	4	8	6	3
1	4	2	6	9	7	3	8	5
8	5	3	4	1	2	9	7	6
7	9	6	5	8	3	1	2	4

मुख्यमंत्री ममता के आरोपों पर हरकत में आया चुनाव आयोग, 31 मार्च तक मांगी एक्शन टेकेन रिपोर्ट

नई दिल्ली/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को लेकर ममता बनर्जी के सवालों के बीच चुनाव आयोग का बड़ा निर्देश सामने आया है। चुनाव आयोग ने 31 मार्च तक एक्शन टेकेन रिपोर्ट की मांग की है। साथ ही, सभी राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठक करने का निर्देश दिया है। बता दें कि चुनाव आयोग पर ममता बनर्जी ने गंभीर आरोप लगाया है और पूछा कि आखिर दो वोटर्स का एक एपिक नंबर कैसे हो सकता है? ममता के ईपीआईसी वाले सवाल के बाद चुनाव आयोग ने एक्शन लिया है। चुनाव आयोग ने सीईओ, डीईओ और ईआरओ को राजनीतिक

दलों के साथ नियमित बैठक करने का निर्देश दिया है। साथ ही, 31 मार्च तक चुनाव आयोग ने देशभर के सीईओ से एक्शन टेकेन रिपोर्ट मांगा है। आयोग ने अधिकारियों को एक पोलिंग बूथ पर 800 से 1,200 मतदाताओं के रखने के निर्देश दिया है। साथ ही, मतदाताओं के आवास से 2 किमी के दायरे में बूथ होने का निर्देश दिया है।

चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण एक ढकोसला है : टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता व सांसद साकेत गोखले ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा कि डुप्लीकेट वोटर आईडी प्रकरण पर आयोग की सफाई एक कवर-अप है। चुनाव आयोग ने खुद अपने नियमों के खिलाफ सफाई दी है। यह साजिश विपक्षी दलों के वोटर को वोट देने से रोकने की तैयारी का हिस्सा है। साकेत गोखले ने मंगलवार की सुबह सोशल मीडिया पर लिखा कि तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग को 24 घंटे का समय दिया था, ताकि वह अपनी गलती माने, लेकिन आयोग ने अपनी गलती स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वोटर आईडी कार्ड को ईपीआईसी (इलेक्टर्स फोटो आइडेंटिटी कार्ड) कहा जाता है। उन्होंने चुनाव आयोग के हैंडबुक फॉर इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स का हवाला देते हुए कहा कि ईपीआईसी जारी करने की प्रक्रिया तय है और उसमें डुप्लीकेट नंबर की कोई गुंजाइश नहीं होती। उन्होंने कहा कि आयोग का कहना है कि अलग-अलग राज्यों में एक जैसे अल्फान्यूमेरिक सीरीज की वजह से डुप्लीकेट ईपीआईसी नंबर जारी हुए। इस पर, गोखले ने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र के लिए ईपीआईसी नंबर के पहले तीन अक्षर (एफयूएसएन) अलग होते हैं। ऐसे में पश्चिम बंगाल और हरियाणा या गुजरात जैसे राज्यों में एक ही नंबर जारी होना संभव ही नहीं है। आयोग का यह भी कहना है कि दो लोगों के पास एक जैसा ईपीआईसी नंबर होने पर भी वे केवल अपने क्षेत्र में वोट डाल सकते हैं। इस पर, गोखले ने कहा कि फोटो वोटर लिस्ट में ईपीआईसी नंबर से फोटो जुड़ा होता है। अगर एक ही नंबर किसी और राज्य में किसी दूसरे व्यक्ति को जारी हुआ है तो फोटो मिलान नहीं होगा और वोट डालने से रोक दिया जाएगा। तीसरा यह कि आयोग का कहना है कि यह केवल कोड की गड़बड़ी है, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस पर, गोखले ने कहा कि चुनाव आयोग का सॉफ्टवेयर हर इस्तेमाल हुए और बचे हुए नंबर का रिकॉर्ड रखता है। ईपीआईसी नंबर एक स्थायी यूनिक आईडी होता है, जिसे दो लोगों को जारी करना संभव ही नहीं। गोखले ने मांग की कि चुनाव आयोग को यह साफ करना चाहिए कि अभी देश में कितने ईपीआईसी कार्ड एक्टिव हैं और उनमें कितने नंबर डुप्लीकेट हैं। साथ ही, इस डुप्लीकेट वोटर आईडी घोटाले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

ई–नीलामी बिक्री के लिए सूचना

मेट्रो रेलवे, कोलकाता की रिलीज की गई और स्क्रैप सामग्री के निपटान के लिए ई–नीलामी बिक्री प्रशासनिक कारण से दिनांक 14.03.2025 और 28.03.2025 के बदले दिनांक 17.03.2025 और 29.03.2025 पुनर्निर्धारित की जाती है।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

हमें यहां देखें : /metrorailwaykol /metrorailkolkata

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/645, दिनांक: 28.02.2025। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युतीय कार्य/यों के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा संख्या: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3427। कार्य का नाम:** 36 महीनों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल की एलएचबी एवं गैर-एलएचबी ट्रेनों के कोचों एवं रसोई यान में रसोई विद्युतीय उपकरणों के लिए सुधारात्मक रखरखाव ठेका (सीएमसी)। **निविदा मूल्य:** ₹ 49,11,809। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 98,200। **पूरा करने की अवधि:** 36 महीना। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 21.03.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन में खोला जाएगा। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें।

(HWH-644/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जनरल), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंज़िल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, पूर्व रेलवे, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के सम्बन्ध में निम्नलिखित ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: ईएलईजी-ओटी-934-2022-23, दिनांक: 28.02.2025। कार्य का विवरण :** सियालदह: नेताजी सुभाष इंस्टिट्यूट ऑडिटोरियम का सुधार- "वीआरएफ एयर कंडीशनिंग सिस्टम कार्य"। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,10,77,529.12। **बयाना राशि:** ₹ 2,05,400। **पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: ईएलईजी-ओटी-1197-2024-25, दिनांक: 28.02.2025। कार्य का विवरण:** हासनाबाद में: एसएसई/ डब्ल्यू/बारासात के अधीन गार्ड्स एवं ड्राइवर्स के लिए रनिंग रूम हेतु ईआई बिल्डिंग के अतिरिक्त फ्लोर का प्रस्तावित निर्माण सहित सभी आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 32,06,877.30। **बयाना राशि:** ₹ 64,100। **पूरा करने की अवधि:** 18 महीना। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: ईएलईजी-ओटी-1200-2024-25, दिनांक: 28.02.2025। कार्य का विवरण:** (i) नैहाटी एवं कल्याणी स्टेशनों के बीच नयी तृतीय लाइन (रिवर्सिबल) के सम्बन्ध में विद्युतीय आम शेष बाकी बचे कार्य। (ii) सियालदह मंडल में चल रहे निर्माण कार्य के सहयोग के लिए ढांचागत सुविधाओं के निर्माण के लिए सियालदह मंडल में विद्युतीय जनरल डिपो का विकास। **निविदा मूल्य:** ₹ 33,50,153। **बयाना राशि:** ₹ 67,000। **पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** ₹ 0 (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। **निविदा प्रकाशन की तारीख:** 28.02.2025। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 25.03.2025 को दोपहर 2.00 बजे। **निविदा बोली खुलने की तारीख एवं समय:** 25.03.2025 को दोपहर 2.00 बजे। **निविदा बोली शुरू होने की तारीख:** 11.03.2025। निविदा सूचना एवं समय-समय पर जारी की जाने वाली संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

(SDAH-372/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जादवपुर में जल्द से जल्द शांति बहाल करनी होगी, शिक्षकों के साथ बैठक में विभागीय जांच का प्रस्ताव रखे कार्यवाहक कुलपति

कोलकाता, समाज्ञा

जादवपुर विश्वविद्यालय में हाल ही में हुई घटनाओं को लेकर प्रशासन ने सक्रियता दिखाई है। मंगलवार को विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति भास्कर गुप्ता ने इस मामले पर बैठक की। बैठक में विश्वविद्यालय की चार प्रमुख शिक्षक संघों–जुटा, वेबकूपा समेत अन्य संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में शांति बहाल करना और पठन–पाठन की सामान्य स्थिति वापस लाना था। बैठक में कुलपति भास्कर गुप्ता ने साफ संदेश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में जल्द से जल्द शांति लौटनी चाहिए, और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने शनिवार की पूरी घटना की विभागीय जांच कराने का भी प्रस्ताव रखा। गौरतलब है कि जब कुलपति घायल छात्र को अस्पताल में देखने गए थे, तब उन्हें भी हमले का सामना करना पड़ा था। इस घटना के बाद से ही उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। सोमवार के बाद मंगलवार को भी कुलपति विश्वविद्यालय नहीं पहुंचे, लेकिन उन्होंने वर्चुअल माध्यम से बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान उन्होंने सभी की बातें सुनीं और विश्वविद्यालय परिसर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत पर जोर दिया।

रात 11 बजे के बाद भी बस सेवा, यात्रियों की सुविधा के लिए शहर में शुरू हुई सरकारी बसों की 'लेट नाइट सर्विस'

कोलकाता : रात 9 बजे के बाद कोलकाता की सड़कों से सरकारी बसें लगभग गायब हो जाती हैं, और निजी बसों की संख्या भी काफी कम हो जाती है। यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि वर्षों से यात्री इसकी शिकायत कर रहे हैं। देर रात काम से लौटने वाले लोगों को होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए परिवहन निगम ने अब 'लेट नाइट' बस सेवा शुरू करने का फैसला किया है।

इस नई व्यवस्था के तहत शहर के 20 प्रमुख रूटों पर रात 10:45 बजे तक अंतिम बसें रवाना होंगी। यानी यात्रियों को लगभग रात 12:30 बजे तक सड़कों पर बस मिल सकेगी। इसका सबसे अधिक फायदा उन लोगों को होगा, जो देर रात ऑफिस से निकलते हैं, दुकान बंद करने के बाद घर लौटते हैं या अन्य जरूरी कार्यों के चलते देर तक बाहर रहते हैं।

इस सेवा के तहत सरकारी और निजी दोनों तरह की बसें प्रमुख रूटों पर उपलब्ध होंगी। हालांकि, कोरोना काल के दौरान पहले से मौजूद नाइट बस सेवा बंद कर दी गई थी, लेकिन अब इसे फिर से शुरू किया जा रहा है।

लेट नाइट बस सेवा जिन रूटों पर चलेगी, उनमें प्रमुख रूप से एसी24ए, एसी5, एसी50ए, एसी12डी, एसी39, ईबी14, ई1, एस24, एस7, एस3ए, एस30, एस12डी, एसी37, एसी47, एसी54, एस12, एस10ए, एस31, ई32, और एस22 शामिल हैं। ये बसें धर्मतला, एक्साइड, रासबिहारी, टॉलीगंज मेट्रो, कमलगाज़ी, रुबी, बेलघाटा बिल्डिंग मोड़, उल्टोडांगा, डनलप, श्यामबाजार, गिरीश पार्क, ठाकुरपुकुर, बेहाला 14 नंबर, तारातला, साइंस सिटी, खिदिरपुर, पार्क सर्कस और पीटीएस जैसे प्रमुख स्थानों को कवर करेंगी।

इसके अलावा, राज्य सरकार ने लंबी दूरी की यात्रा के लिए 6 नई वोल्वो बसें खरीदने का भी फैसला किया है। 43 सीटों वाली इन बसों की कीमत लगभग 1.25 करोड़ रुपये प्रति बस होगी। फिलहाल, परिवहन निगम के पास लगभग 70 वोल्वो बसें हैं, लेकिन मेंटेनेंस के कारण इनमें से कई बसें डिपो में खड़ी हैं। निगम के अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही इन बसों की मरम्मत कर उन्हें फिर से सड़कों पर उतारा जाएगा।

'वेस्ट बंगाल फार्मास्यूटिकल्स' पर सवाल, रिंगर्स लैक्टेट के 16 बैच गुणवत्ता जांच में फेल

कोलकाता, समाज्ञा

सिलिगुड़ी की निजी दवा निर्माता कंपनी 'वेस्ट बंगाल फार्मास्यूटिकल्स' के रिंगर्स लैक्टेट (सलाइन) के 16 बैच गुणवत्ता परीक्षण में फेल हो गए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की जनवरी माह की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि इन बैचों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं है और ये नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी की श्रेणी में आते हैं। दरअसल, सीडीएससीओ ने जनवरी में देशभर से 145 दवाओं के बैच की जांच की थी। इसमें से 93 बैच अलग–अलग राज्यों की लैब में और 52 बैच केंद्र सरकार की विभिन्न लैब में परीक्षण के दौरान असंतोषजनक पाए गए। इन्हीं में सिलिगुड़ी की इस कंपनी का रिंगर्स लैक्टेट भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, इस सलाइन के 16 बैच दो अलग–अलग परीक्षण में अस्वीकृत हुए, जिनमें इनके जीवाणुरहित होने पर सवाल खड़े किए गए हैं। सीडीएससीओ की रिपोर्ट के अनुसार, केवल रिंगर्स लैक्टेट ही नहीं, बल्कि टेल्मा एएम (बैच नंबर 5240367) और ऑन्डेम–4 (बैच नंबर 24441451) जैसी दवाओं के बैच भी मानक गुणवत्ता पर खरे नहीं उतरे।

गौरतलब है कि बाजार में बिक रही दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सीडीएससीओ हर महीने विभिन्न राज्यों से नमूने इकट्ठा कर जांच करता है। परीक्षण के दौरान दवाओं के बैच के हर पहलू की बारीकी से जांच की जाती है।

Name Change

I PRANAB KUMAR GUHA RAY (Old Name) S/o. of Late Satya Rajan Guha Ray, Caste- Hindu, Residing at 2/68 Gandhi Colony, P.o.-Regent Estate, Tollygunj, Kolkata- 700092, West Bengal, have change my name and shall henceforth be known PRANAB GUHA RAY as declared before the Notary Public, C.M.M Court of Bankshal Court, Calcutta, West Bengal vide Affidavit dated 10.02.2025. PRANAB KUMAR GUHA RAY (Old Name) and PRANAB GUHA RAY (New Name) both are same and identical person.

कथित भड़काऊ भाषण में मिथुन चक्रवर्ती को हाईकोर्ट से राहत

कोलकाता, समाज्ञा : उकसाने वाले बयान के मामले में अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती को कोलकाता हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि पुलिस उनके खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर सकती। हालांकि, पुलिस जांच जारी रहेगी और मिथुन को जांच में सहयोग करना होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले साल नवंबर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कोलकाता दौरे के दौरान पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र में भाजपा की सदस्यता अभियान सभा आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में मिथुन चक्रवर्ती ने भाषण दिया था। आरोप है कि उन्होंने अपने भाषण में ऐसे बयान दिए, जो उकसावे वाले थे और इससे कानून–व्यवस्था बिगड़ने की आशंका जताई गई। इसी शिकायत पर बिधाननगर दक्षिण थाने में कौशिक साहा नामक व्यक्ति ने एफआईआर दर्ज कराई थी।

इस मामले में मिथुन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा आठ के तहत आरोप लगाए गए। इसके अलावा, बउबाजार थाने में भी एक शिकायत दी गई थी। एफआईआर रद्द करने की मांग को लेकर मिथुन चक्रवर्ती ने हाईकोर्ट का रुख किया। इस दिन, सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने आदेश दिया कि 20 मई तक मिथुन के खिलाफ पुलिस कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर सकेगी। हालांकि, जांच प्रक्रिया जारी रहेगी और मिथुन को उसमें सहयोग करना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच के दौरान मिथुन को किसी मुश्किल में डालने वाले कदम न उठाए जाएं। कोर्ट ने यह भी माना कि मिथुन मुंबई के स्थायी निवासी हैं और बार–बार कोलकाता आकर शारीरिक रूप से पेश होना उनके लिए संभव नहीं है। अगर पूछताछ की जरूरत होती है तो पुलिस उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सवाल पूछ सकती है। हाईकोर्ट ने सुनवाई में यह भी कहा कि मिथुन के कथित भड़काऊ बयान के कारण कहीं कोई गड़बड़ी हुई हो, इसका कोई ठोस उदाहरण पुलिस पेश नहीं कर सकी। न ही किसी के नुकसान का प्रमाण अदालत में रखा गया। ऐसे में इस मामले की वैधता पर विस्तृत सुनवाई की जरूरत है। अदालत ने याचिकाकर्ता और राज्य सरकार दोनों से हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई मई में होगी।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंज़िल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल में 03 वर्षों के लिए **कोन्नगर स्टेशन पर सामान्य पे एंड यूज़ टॉयलेट के परिचालन एवं रखरखाव के लिए नया ठेका प्रदान करने हेतु ई-नीलामी** आमंत्रित की जाती है। उक्त ई-नीलामी रेलवे बोर्ड की फ्रेट मार्केटिंग परिपत्र संख्या 11 ऑफ़ 2022 तथा वाणिज्यिक परिपत्र संख्या 14 ऑफ़ 2022 के अनुसार शासित है। और अधिक विवरण तथा ई-नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के जरिये वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। **नीलामी कैटेलॉग संख्या : पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-01-आर। लॉट संख्या/श्रेणी:** पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-केओजी-टीओआई-22-25-1। **स्टेशन:** कोन्नगर (केओजी)। **नीलामी की तारीख एवं समय :** 17.03.2025 को दोपहर 1.30 बजे।

(HWH-646/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

जेयू की घटना बेहद निंदनीय, सरकार उठाएगी उचित कदम : बाबुल सुप्रियो

कोलकाता, समाज्ञा : जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) में हुई हालिया घटना पर मंत्री बाबुल सुप्रियो का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि वहां क्या हुआ है। विश्वविद्यालय में हुई घटना बेहद निंदनीय है। यह घटना जादवपुर विश्वविद्यालय के अंदर नहीं होनी चाहिए थी, जो दुनिया भर में प्रसिद्ध है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन द्वारा पहचाने गए लोगों के साथ जैसा उचित होगा, वैसी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कहा कि मेरा एक निवेदन है, क्योंकि मैं इस विश्वविद्यालय में बहुत बुरे हालातों से निकलकर आया हूं और पूरे दिन फंसा रहा। कुछ नक्सल समर्थक हैं, कुछ वामपंथी हैं। सवाल है कि उन्हें ऐसा करने की हिम्मत कहां से मिलती है? पुलिस प्रशासन और कानून अपनी जगह पर रहेगा। मंत्री ने आगे कहा कि जादवपुर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्रों को मैं कहना चाहूंगा कि जो भी बाहरी लोग आपके विश्वविद्यालय को बदनाम करने आ रहे हैं, उनसे दूर रहें। कुछ दिन पहले एक छात्र के साथ धांधली की घटना हुई थी। ऐसा देखा गया कि विश्वविद्यालय से पढ़कर बाहर निकले लोग यहां आकर ऐसी धांधली कर रहे हैं। सरकार इससे निपटने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि जादवपुर यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले सभी छात्र, जिन्होंने कड़ी मेहनत की है और आगे बढ़े हैं, मैं उनसे भी अनुरोध करूंगा कि आप अपने संस्थान को बचाने के लिए लोगों पर नजर रखें, ताकि कोई बाहर से आकर आपके संस्थान को बदनाम न कर सके।

शिक्षा मंत्री ने इंद्रानुज की तबीयत का हाल जानने के लिए पिता को किया फोन, घटना पर जताया खेद

जेयू की घटना पर विरोध प्रदर्शन जारी

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर के जादवपुर विश्वविद्यालय के छात्रों पर कथित हमले को लेकर मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा, जिसमें शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु के इस्तीफे के साथ–साथ छात्रों के खिलाफ पुलिस शिकायत को वापस लेने की मांग की गई। अशांति के बीच, ब्रात्य बसु ने व्यक्तिगत रूप से घायल छात्र इंद्रानुज रॉय के परिवार से संपर्क किया और घटना पर खेद व्यक्त किया। इस दिन, छात्र के पिता अमित रॉय ने संवाददाताओं से कहा कि शिक्षा मंत्री ने मुझे कॉल किया। उन्हें खेद है। उन्होंने खेद प्रकट किया। उन्होंने इंद्रानुज के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि वह और उनकी पत्नी बेहद दुखी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंद्रानुज उनके बेटे जैसा है।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय परिसर में एक मार्च को हुई हिंसा के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था, जब हाथापाई के दौरान ब्रात्य बसु के काफिले की एक कार के कथित रूप से बहुत नजदीक से गुजरने के बाद इंद्रानुज सहित दो छात्र घायल हो गए थे। डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स फेडरेशन (डीएसएफ) सहित कई अति वाम छात्र संगठनों ने मंगलवार और बुधवार को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। माकपा की छात्र शाखा स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने मंगलवार की हड़ताल में भाग नहीं लिया, लेकिन पूरे राज्य में अलग–अलग प्रदर्शन आयोजित किए।

पूर्व रेलवे का उपहार

होली स्पेशल ट्रेनें

हावड़ा एवं रक्सौल, सियालदह एवं गोरखपुर, कोलकाता एवं पटना जंक्शन, कोलकाता एवं जयनगर, हावड़ा एवं खातीपुरा एवं हावड़ा एवं न्यू जलपाईगुड़ी के बीच

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, नीचे उल्लिखित संक्षिप्त समय-सारणी, यात्रा के दिन, ठहराव एवं गठन के अनुसार **हावड़ा एवं रक्सौल, सियालदह एवं गोरखपुर, कोलकाता एवं पटना जंक्शन, कोलकाता एवं जयनगर, हावड़ा एवं खातीपुरा एवं हावड़ा एवं न्यू जलपाईगुड़ी के बीच होली स्पेशल ट्रेनें** चलाई जाएंगी:-

हावड़ा-रक्सौल-हावड़ा होली स्पेशल

03043 एवं 03045 हावड़ा-रक्सौल			स्टेशन	03044 एवं 03046 रक्सौल-हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान	दिन
शनि (03043)	-	23.00	↓ हावड़ा	10.45	-	
सोम व गुरु (03045)	23.53	23.55	बैण्डेल	08.05	08.07	बुध व शनि (03046)
	02.37	02.42	आसनसोल	05.15	05.20	सोम (03044)
रवि (03043)	04.48	04.50	जसीडीह	03.36	03.38	
मंगल व शुक्र (03045)	11.00	11.05	समस्तीपुर	22.00	22.05	मंगल व शुक्र (03046)
	16.10	-	रक्सौल ↑	-	17.30	रवि (03044)

ऊपर उल्लेखित स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में बर्द्धमान, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, किऊल, बरौनी, दरभंगा, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी एवं बैरगनियां स्टेशनों पर भी ठहरेगी। **यात्रा की तिथियां एवं दिन : हावड़ा से : 03043** दिनांक 08.03.2025 (शनिवार) = 1 ट्रिप एवं **03045** दिनांक 10.03.2025 (सोमवार) एवं 13.03.2025 (गुरुवार) = 2 ट्रिप। **रक्सौल से : 03044** दिनांक 09.03.2025 (रविवार) = 1 ट्रिप एवं **03046** दिनांक 11.03.2025 (मंगलवार) एवं 14.03.2025 (शुक्रवार) = 2 ट्रिप। **गठनः 03043/03044 :** कम्पोजिट वातानुकूलित 2-टीयर सह वातानुकूलित 3-टीयर - 2, वातानुकूलित 3-टीयर - 1, शयनयान श्रेणी - 9, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) - 4, एसएलआरडी - 2 = 18 कोच। **03045/03046 :** वातानुकूलित 2-टीयर - 1, वातानुकूलित 3-टीयर- 4, शयनयान श्रेणी- 10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) - 3, एसएलआरडी- 2 = 20 कोच। **श्रेणी :** मेल/एक्सप्रेस।

सियालदह-गोरखपुर-सियालदह होली स्पेशल

सियालदह-गोरखपुर 03132			03133 स्टेशन	गोरखपुर-सियालदह		
दिन	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान	दिन
शनि,सोम,गुरु	-	18.15	↓ सियालदह	07.30	-	सोम,बुध,शनि
	21.33	21.35	आसनसोल	02.50	02.55	
	23.15	23.17	जसीडीह	00.42	00.44	
रवि,मंगल,शुक्र	02.50	03.00	पटना जं.	19.55	20.05	रवि,मंगल,शुक्र
	10.15	-	गोरखपुर ↑	-	13.00	

ऊपर उल्लेखित स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में बर्द्धमान, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, किऊल, मोकामा, बख्तियारपुर, पाटलीपुत्र, छपरा, सीवान एवं देवरिया सदर स्टेशनों पर भी ठहरेगी। **यात्रा की तिथियां एवं दिन : सियालदह से : 03132** दिनांक 08.03.2025 (शनिवार), 10.03.2025 (सोमवार), 13.03.2025 (गुरुवार) = 3 ट्रिप। **गोरखपुर से : 03133** दिनांक 09.03.2025 (रविवार), 11.03.2025 (मंगलवार), 14.03.2025 (शुक्रवार) = 3 ट्रिप। **गठन :** वातानुकूलित 2-टीयर - 1, वातानुकूलित 3-टीयर - 4, शयनयान श्रेणी - 10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) - 3, एसएलआरडी - 2 = 20 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

कोलकाता-पटना जंक्शन-कोलकाता होली स्पेशल

कोलकाता-पटना जंक्शन			03135 03136 स्टेशन	पटना जंक्शन-कोलकाता		
दिन	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान	दिन
मंगल	-	23.50	↓ कोलकाता	23.45	-	बुध
बुध	02.50	02.55	आसनसोल	18.55	19.00	
	05.00	05.02	जसीडीह	16.50	16.52	
	10.45	-	पटना जंक्शन ↑	-	12.00	

ऊपर उल्लेखित स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में बर्द्धमान, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, किऊल, मोकामा, बख्तियारपुर एवं पटना साहिब स्टेशनों पर भी ठहरेगी। **यात्रा की तिथियां एवं दिन : कोलकाता से : 03135** दिनांक 11.03.2025 (मंगलवार) = 1 ट्रिप। **पटना जंक्शन से : 03136** दिनांक 12.03.2025 (बुधवार) =1 ट्रिप। **गठनः** वातानुकूलित 2-टीयर - 1, वातानुकूलित 3-टीयर - 4, शयनयान श्रेणी - 10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) - 3, एसएलआरडी - 2 = 20 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

कोलकाता-जयनगर-कोलकाता होली स्पेशल

कोलकाता-जयनगर			03187 03188 स्टेशन	जयनगर-कोलकाता		
दिन	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान	दिन
शुक्र	-	23.55	↓ कोलकाता	05.15	-	रवि
शनि	02.50	02.55	आसनसोल	01.02	01.07	
	05.00	05.02	जसीडीह	23.08	23.10	शनि
	07.43	07.45	किऊल	20.45	20.47	
	13.50	-	जयनगर ↑	-	15.00	

ऊपर उल्लेखित स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में बर्द्धमान, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी स्टेशनों पर भी ठहरेगी। **यात्रा की तिथियां एवं दिन : कोलकाता से : 03187** दिनांक 07.03.2025 (शुक्रवार) = 1 ट्रिप। **जयनगर से : 03188** दिनांक 08.03.2025 (शनिवार) = 1 ट्रिप। **गठनः** वातानुकूलित 3-टीयर - 1, वातानुकूलित कुर्सी यान - 1, शयनयान श्रेणी - 2, द्वितीय श्रेणी सीटिंग - 4, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) - 5, जीएसएलआरडी- 2 = 15 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

हावड़ा-खातीपुरा-हावड़ा होली स्पेशल

हावड़ा-खातीपुरा			03007 03008 स्टेशन	खातीपुरा-हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान	दिन
रवि	-	18.00	↓ हावड़ा	15.15	-	बुध
	21.05	21.10	आसनसोल	10.10	10.15	
	23.08	23.10	जसीडीह	08.18	08.20	
सोम	03.25	03.35	पटना जं.	04.30	04.40	
	23.30	-	खातीपुरा ↑	-	05.30	मंगल

ऊपर उल्लेखित स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में बर्द्धमान, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, किऊल, मोकामा, बख्तियारपुर, दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, गोविंदपुरी, इटावा जंक्शन, फतेहाबाद, शमसाबाद टाउन, आगरा कैंट. जंक्शन, भतरपुर जंक्शन, बंदीकुई जंक्शन एवं दौसा स्टेशनों पर भी ठहरेगी। **यात्रा की तिथियां एवं दिन : हावड़ा से : 03007** दिनांक 09.03 एवं 16.03.2025 (रविवार) = 2 ट्रिप। **खातीपुरा से : 03008** दिनांक 11.03 एवं 18.03.2025 (मंगलवार) = 2 ट्रिप। **गठन :** वातानुकूलित 2-टीयर - 1, वातानुकूलित 3-टीयर - 4, शयनयान श्रेणी - 10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) - 3, एसएलआरडी - 2 = 20 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा होली स्पेशल

हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी			03027 03028 स्टेशन	न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान	दिन
बुध	-	23.55	↓ हावड़ा	00.10	-	शुक्र
गुरु	00.55	0.57	बैण्डेल	23.08	23.10	गुरु
	03.30	03.35	आजिमगंज जं.	19.30	19.35	
	06.25	06.30	मालदा टाउन	17.10	17.15	
	10.45	-	न्यू जलपाईगुड़ी ↑	-	12.45	

ऊपर उल्लेखित स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में नवद्वीप धाम, कटवा, जंगीपुर रोड, बरसोई, किशनगंज एवं अलुआबाड़ी रोड स्टेशनों पर भी ठहरेगी। **यात्रा की तिथियां एवं दिन : हावड़ा से : 03027** दिनांक 12.03 एवं 19.03.2025 (बुधवार) = 2 ट्रिप। **न्यू जलपाईगुड़ी सेः 03028** दिनांक 13.03 एवं 20.03.2025 (गुरुवार) = 2 ट्रिप। **गठनः** कम्पोजिट वातानुकूलित प्रथम श्रेणी सह वातानुकूलित 2-टीयर - 1, वातानुकूलित 2-टीयर - 1, वातानुकूलित 3-टीयर - 5, वातानुकूलित 3-टीयर इकोनॉमी - 1, शयनयान श्रेणी - 7, साधारण द्वितीय श्रेणी (एलएस) - 4, एलएसएलआरडी - 1, पावर कार- 1 = 21 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मध्यग्राम के तालाब से बरामद हुआ हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार

❑ **आहिरीटोला कांड में फाल्गुनी–आरती को लेकर किया गया घटनाक्रम का पुनर्निर्माण**

कोलकाता : आहिरीटोला ट्रॉली बैग कांड में पीसी सास सुमिता घोष की हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद कर लिया गया। मंगलवार सुबह मध्यग्राम के बीरेशपल्ली तालाब से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त बंसी और हथौड़ा बरामद किया। पुलिस इस दौरान गिरफ्तार फाल्गुनी घोष और उसकी मां आरती घोष को घटनास्थल पर लेकर गई थी। जांच दल के साथ गोताखोर भी मौजूद थे, जिन्होंने तालाब में उतरकर हथियारों को ढूंढ निकाला।

जांच में सामने आया है कि सुमिता घोष की हत्या के बाद उनके शव के तीन टुकड़े किए गए थे। शव को एक नीले रंग के ट्रॉली बैग में भरकर ठिकाने लगाने की योजना बनाई गई थी। लेकिन मृतका के पैर ट्रॉली बैग में फिट नहीं हो रहे थे, जिसके कारण बंसी का इस्तेमाल कर उनके पैर काट दिए गए। शरीर के अन्य हिस्सों को भी काटने के लिए इसी बंसी का प्रयोग किया गया था। हत्या के बाद फाल्गुनी और आरती ने घर के ठीक सामने स्थित तालाब में हथियार फेंक दिए थे। पूछताछ के दौरान मां–बेटी ने इस बात को कबूल किया था, जिसके बाद पुलिस ने हथियार बरामद करने की योजना बनाई।

मंगलवार सुबह जब पुलिस फाल्गुनी और आरती को घटनास्थल पर लेकर पहुंची, तो उन्होंने तालाब में वह स्थान दिखाया जहां उन्होंने हथियार फेंके थे। इसके बाद गोताखोरों को तालाब में भेजा गया और महज 15 मिनट में हत्या में इस्तेमाल किया गया बंसी और एक छोटा हथौड़ा बरामद कर लिया गया। पुलिस को संदेह है कि हत्या में एक चाकू भी इस्तेमाल किया गया था, जिसकी तलाश अभी जारी है।

जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या के बाद मां–बेटी ने शव को घर में ही रखकर इलाके की रेकी की थी। उन्होंने शव को गंगा में फेंकने का फैसला किया और इसके लिए श्यामबाजार के पास गंगा घाट चुना। बीते मंगलवार सुबह वे शव के टुकड़े ट्रॉली बैग में भरकर टैक्सी से आहिरीटोला घाट पहुंचीं।

जब वे ट्रॉली बैग को गंगा में फेंक रही थीं, तो वहां मौजूद स्थानीय लोगों को संदेह हुआ। उन्होंने उन्हें रोककर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही ट्रॉली बैग खोला गया और इस भयावह घटना का खुलासा हुआ। जांच में यह भी पता चला है कि सुमिता घोष की हत्या सिर पर ईंट से वार कर की गई थी। हत्या में इस्तेमाल की गई ईंट पहले ही बरामद की जा चुकी है। अब पुलिस फाल्गुनी और आरती को लेकर बीरेशपल्ली में पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण करने की योजना बना रही है।

दवा खाने से बर्दवान मेडिकल कॉलेज में आठ प्रसूताएं पड़ी बीमार

मेदिनीपुर सलाइन कांड की पुनरावृत्ति का डर

बर्दवान : राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में सलाइन कांड की यादें अभी ताजा ही थीं कि अब बर्दवान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भी वैसी ही घटना सामने आई है। सोमवार की देर रात को यहां आठ प्रसूताएं दवा खाने के कुछ ही देर बाद अचानक बीमार पड़ गईं। उनके परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत स्थिति

संभाली और प्राथमिक इलाज के बाद फिलहाल सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार की शाम को अस्पताल के स्त्री रोग विभाग में भर्ती करीब 10 महिलाओं को नर्सों ने दवा दी थी। दवा लेने के करीब एक घंटे के भीतर ही आठ प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने लगी। किसी को तेज बुखार आया, तो कोई बेहोशी की हालत में जाने लगी। खिंचाव और झटकों की शिकायतें भी सामने आईं। परिजनों ने तुरंत डॉक्टरों को सूचना दी। स्थिति को गंभीर होता देख नर्सों ने भी डॉक्टरों को बुलाया। डॉक्टरों की टीम ने फौरन जांच शुरू की और सभी महिलाओं को दूसरी दवाएं देकर स्थिर करने की कोशिश की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद मरीजों की हालत में सुधार आने लगा। बर्दवान मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक तापस घोष ने मंगलवार को बताया कि सोमवार की शाम डॉक्टरों के वार्ड राउंड के बाद यह घटना हुई। शुरुआती जांच में दवा के साइड इफेक्ट की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल, सभी मरीज स्थिर हैं। मामले की गहन जांच होगी। अस्पताल प्रबंधन ने जिन दवाओं के सेवन के बाद यह घटना घटी, उन्हें परीक्षण के लिए भेजने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि कुछ सप्ताह पहले ही मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में रिंगर लैक्टेट नामक सलाइन चढ़ाने के बाद एक प्रसूता की मौत हो गई थी और चार अन्य गंभीर रूप से बीमार हो गई थीं। उस घटना ने पूरे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। अब बर्दवान की यह घटना उसी तरह की आशंका को जन्म दे रही है।

कोलकाता में ट्राम सेवा का भविष्य अनिश्चित, हाईकोर्ट के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में ट्राम सेवा के भविष्य को लेकर स्थिति अभी भी अस्पष्ट है। हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाने का निर्णय लिया है, जिसके कारण फिलहाल हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई स्थगित हो गई है। कोलकाता हाईकोर्ट ने ट्रामलाइन को बंद करने के कार्य को तुरंत रोकने का आदेश दिया था। मुख्य न्यायाधीश की डिवीजन बेंच ने राज्य को निर्देश दिया था कि ट्रामलाइन को बंद करने का कार्य तत्काल रोका जाए और इस पर एक रिपोर्ट, जिसमें तस्वीरें भी शामिल हों, राज्य को अदालत में प्रस्तुत करनी होगी। राज्य सरकार ने इस आदेश के बाद की बैठक में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रस्तुत किया। राज्य का कहना है कि ट्राम सेवा में पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल को लागू किया जा सकता है, लेकिन इस प्रक्रिया में होने वाले खर्चों को लेकर चिंता जताई है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ट्राम सेवा को पुनः स्थापित करने के लिए राज्य सरकार का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। यदि फंड की मंजूरी नहीं मिलती, तो पीपीपी मॉडल लागू नहीं हो सकता। इसके अलावा, मुख्य न्यायाधीश ने यह सुझाव दिया कि ट्राम सेवा के लिए पीपीपी मॉडल लागू करने के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की जा सकती है। राज्य ने यह भी स्पष्ट किया कि न केवल ट्राम, बल्कि बस सेवा में भी वे पीपीपी मॉडल लागू करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, किराया न बढ़ाए जाने के कारण उनके अनुभव में दिक्कतें आईं।

मायापुर इस्कॉन मंदिर में दुस्साहसिक चोरी, सीसीटीवी के आधार पर आरोपित की तलाश में पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के मायापुर स्थित प्रसिद्ध इस्कॉन मंदिर में एक दुस्साहसिक चोरी की घटना सामने आई है। पता चला है कि शनिवार की देर रात मंदिर परिसर से दो दान पेटियां चोरी हो गईं। ये दान पेटियां चंद्रोदय मंदिर और राधा-माधव मंदिर में रखी हुई थीं। मामले की सूचना मिलते ही नवद्वीप थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपित की तलाश जारी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शनिवार की रात करीब 1.30 बजे एक युवक को मंदिर परिसर में संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा गया। इसके बाद, मौका पाकर वह चुपचाप दोनों दान पेटियों को उठाकर एक महिला शौचालय में ले गया। वहां उसने दोनों पेटियां तोड़ीं और उसमें रखी नगदी लेकर फरार हो गया। हालांकि, आरोपित कुछ सिक्के छोड़ गया। मंगलवार को पुलिस ने बताया कि इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसके आधार पर आरोपित की पहचान की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपित नाबालिग है और उसका घर हावड़ा जिले के पांचला थाना क्षेत्र में है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह नवद्वीप मंडल परिक्रमा में भाग लेने के लिए मायापुर इस्कॉन आया हुआ था। हालांकि, इस्कॉन प्रबंधन की ओर से अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। इसके बावजूद नवद्वीप थाना पुलिस ने खुद से (सुओ मोटो) मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस्कॉन के जनसंपर्क अधिकारी रसिक गौरांग दास ने कहा कि शनिवार की रात कीर्तन समाप्त होने के बाद यह घटना घटी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। उम्मीद है कि जल्द ही आरोपित पकड़ में आ जाएगा।

जन्म प्रमाण पत्र जालसाजी में बिहार का कनेक्शन, कोलकाता पुलिस को मिली बड़ी जानकारी

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने के रैकेट का बड़ा खुलासा हुआ है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपित की पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि बिहार में पैसे लेकर नकली जन्म प्रमाण पत्र तैयार किए जाते हैं। पुलिस ने अब इस नेटवर्क की तह तक पहुंचने के लिए बिहार में भी जांच शुरू करने की संभावना जताई है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में, कोलकाता पुलिस के पासपोर्ट विभाग में छह से सात आवेदकों के दस्तावेजों की जांच के दौरान फर्जी जन्म प्रमाण पत्र का मामला सामने आया था। जांच आगे बढ़ाने पर पुलिस ने लक्ष्मण कुमार नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पूछताछ में लक्ष्मण ने खुलासा किया कि उसके एक रिश्तेदार ने बिहार से पैसे के बदले नकली जन्म प्रमाण पत्र बनवाकर दिए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह जानकारी बेहद अहम मानी जा रही है। जांचकर्ताओं को अब इस बात की तहकीकात करनी है कि अभी तक पकड़े गए सभी फर्जी जन्म प्रमाण पत्र क्या बिहार से ही तैयार होकर आए हैं। पुलिस को शक है कि पासपोर्ट दफ्तरों के बाहर सक्रिय दलालों का एक गिरोह इस रैकेट से जुड़ा हो सकता है। माना जा रहा है कि लक्ष्मण द्वारा दी गई जानकारी के बाद जांच की दिशा पूरी तरह बदल सकती है और इस अपराध से जुड़े अन्य लोगों तक भी पुलिस पहुंच सकती है। फिलहाल, कोलकाता पुलिस का सिक्योरिटी कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रहा है और बिहार में छापेमारी की तैयारियां भी की जा रही हैं।

तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी के निर्देशानुसार, आमता विधायक सुकांत पाल ने काश्माली क्षेत्र के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर विस्तार से जानकारी ली कि आमता विधानसभा क्षेत्र के क्षेत्रवार संशोधित मतदाता सूची में चयनित क्षेत्र के निवासियों के नाम सूचीबद्ध हैं या नहीं या फिर कोई त्रुटि है।

पानागढ़ हादसा : बार-बार बयान बदलने वाले सुतंद्रा का ड्राइवर राजदेव शर्मा गिरफ्तार

दुर्गापुर : पानागढ़ सड़क हादसे में बड़ा मोड़ आया है। हुगली की प्रसिद्ध नृत्यांगना सुतंद्रा चटर्जी की मौत के मामले में पुलिस ने आखिरकार उनकी कार के चालक राजदेव शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि हादसे के बाद से राजदेव लगातार अपने बयान बदल रहे थे, जिससे शक गहराता जा रहा था। मंगलवार के तड़के चंदननगर से गिरफ्तार कर पुलिस राजदेव को कांकसा ले गई। इस दिन, उसे अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने राजदेव शर्मा पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (लापरवाही से गाड़ी चलाना), 125(ए), 105 (अनिच्छाकृत हत्या) और 324(2) (हानि पहुंचाने) के तहत केस दर्ज किया है। जांचकर्ताओं का मानना है कि इस गिरफ्तारी से इस पूरे मामले

की तह तक पहुंचने में मदद मिलेगी। दरअसल, 24 फरवरी को सुतंद्रा चटर्जी एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गाड़ी से गया जा रही थीं। उसी दौरान पानागढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर उनकी कार पलट गई, जिसमें सुतंद्रा की मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर राजदेव ने दावा किया था कि एक सफेद एसयूवी उनकी गाड़ी का पीछा कर रही थी और सुतंद्रा के साथ छेड़खानी की कोशिश की गई थी। उन्हीं को बचाने के लिए गाड़ी की रफ्तार बढ़ाई गई, जिससे हादसा हुआ। हालांकि, बीते शुक्रवार को राजदेव ने अपने बयान में पूरी तरह बदलाव करते हुए कहा कि एसयूवी को सुतंद्रा के कहने पर ही उन्होंने तेज रफ्तार से पीछा किया था। साथ ही, यह भी कहा कि किसी तरह की छेड़खानी की घटना नहीं हुई थी। ड्राइवर के इस बदले बयान पर सुतंद्रा की मां तनुश्री चटर्जी ने गहरी नाराजगी जताई थी। उन्होंने सवाल किया था कि आखिर ड्राइवर ने पहले झूठा बयान क्यों दिया? साथ ही, पुलिस से इसकी गहराई से जांच की मांग भी की थी। इस बीच, पुलिस पहले ही सफेद वाहन के चालक बबलू यादव को गिरफ्तार कर चुकी है। अब ड्राइवर राजदेव की गिरफ्तारी से माना जा रहा है कि इस रहस्यमयी हादसे की परतें खुलनी शुरू होंगी।

फर्जी चाइल्ड लाइन कार्यकर्ता बनकर आरोपी को बचाने के लिए वसूली करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा

एक सामाजिक कार्यकर्ता को फर्जी चाइल्ड लाइन कार्यकर्ता बनकर पोक्सो मामले के एक आरोपी को बचाने के लिए कथित तौर पर तीन लाख रुपये की वसूली करने के आरोप में शांतिपुर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम अनुपम साहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शांतिपुर के जालेश्वर तिलिपाड़ा इलाके का निवासी अनुपम साहा नामक व्यक्ति लंबे समय से शांतिपुर कस्बे में खुद को चाइल्ड लाइन कार्यकर्ता के रूप में पेश कर रहा था। कर्मचारी पर कई स्थानों पर जबरन धन वसूली का आरोप लगाया गया है। इससे पहले भी आरोपी अनुपम साहा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

हालांकि, पुलिस ने जांच की तो पता चला कि अनुपम साहा पर एक पोक्सो मामले के आरोपी के परिवार से उसकी जान बचाने के लिए तीन लाख रुपये लेने का आरोप है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अनुपम साहा अकेला नहीं हैं, इस घटना में एक और व्यक्ति शामिल है। उसकी तलाश में पुलिस अनुपम से पूछताछ कर रही है। शांतिपुर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार अनुपम को मंगलवार को राणाघाट अदालत में पेश किया। अनुपम साहा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 308(2)/3/(5) और बीएनएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया है।

पूर्व रेलवे होली के अवसर पर चला रही है सात स्पेशल ट्रेनें

यात्रियों के लिए 22,300 से अधिक बर्थ और 500 सीटें उपलब्ध

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने होली के रंगों को बिखेरते हुए सात स्पेशल होली ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों का उद्देश्य होली के त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ी हुई भीड़ को समायोजित करना है। इन विशेष ट्रेनों के माध्यम से 22,300 से अधिक बर्थ और 500 सीटें उपलब्ध कराई जाएंगी। इन विशेष ट्रेनों का संचालन हावड़ा और रक्सौल, सियालदह और गोरखपुर, कोलकाता और पटना, कोलकाता और जयनगर, हावड़ा और खटीपुरा, और हावड़ा और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच किया जाएगा। इन विशेष ट्रेनों के माध्यम से 22,300 से अधिक बर्थ और 500 सीटें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके तहत, 03043 हावड़ा-रक्सौल होली स्पेशल ट्रेन 08 मार्च को रात 23:00 बजे हावड़ा से रवाना होगी और अगले दिन 16:10 बजे रक्सौल पहुंचेगी। वहीं, 03044 रक्सौल-हावड़ा होली विशेष ट्रेन 09 मार्च को 17:30 बजे रक्सौल से रवाना होकर अगले दिन 10:45 बजे हावड़ा पहुंचेगी। 03045 हावड़ा-रक्सौल होली विशेष ट्रेन 10 मार्च और 13 मार्च को रात 23:00 बजे हावड़ा से रवाना होगी और अगले दिन 16:10 बजे रक्सौल पहुंचेगी। 03046 रक्सौल-हावड़ा होली विशेष ट्रेन 11 मार्च और 14 मार्च को 17:30 बजे रक्सौल से रवाना होकर अगले दिन 10:45 बजे हावड़ा पहुंचेगी। 03132 सियालदह-गोरखपुर होली विशेष ट्रेन 08 मार्च, 10 मार्च और 13 मार्च को सियालदह से 18:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन 10:15 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। 03133 गोरखपुर-सियालदह होली विशेष ट्रेन 09 मार्च, 11 मार्च और 14 मार्च को गोरखपुर से 13:00 बजे रवाना होकर अगले दिन 07:30 बजे सियालदह पहुंचेगी।

03135 कोलकाता-पटना होली विशेष ट्रेन 11 मार्च को रात 23:50 बजे कोलकाता से रवाना होगी और अगले दिन 10:45 बजे पटना पहुंचेगी। 03136 पटना-कोलकाता होली विशेष ट्रेन 12 मार्च को 12:00 बजे पटना से रवाना होगी और उसी दिन 23:45 बजे कोलकाता पहुंचेगी। 03187 कोलकाता-जयनगर होली विशेष ट्रेन 07 मार्च को रात 23:55 बजे कोलकाता से रवाना होगी और अगले दिन 13:50 बजे जयनगर पहुंचेगी। वहीं, 03188 जयनगर-कोलकाता होली विशेष ट्रेन 08 मार्च को 15:00 बजे जयनगर से रवाना होकर अगले दिन 05:15 बजे कोलकाता पहुंचेगी। 03007 हावड़ा-खटीपुरा होली विशेष ट्रेन 09 मार्च और 16 मार्च को हावड़ा से 18:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन 23:30 बजे खटीपुरा पहुंचेगी। 03008 खटीपुरा-हावड़ा होली विशेष ट्रेन 11 मार्च और 18 मार्च को खटीपुरा से 05:30 बजे रवाना होकर अगले दिन 15:15 बजे हावड़ा पहुंचेगी। 03027 हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी होली विशेष ट्रेन 12 मार्च और 19 मार्च को हावड़ा से रात 23:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन 10:45 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी। 03028 न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा होली विशेष ट्रेन 13 मार्च और 20 मार्च को न्यू जलपाईगुड़ी से 12:45 बजे रवाना होकर अगले दिन 00:10 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

शार्प की भारतीय एसी उद्योग में धमाकेदार वापसी, रीरियू, सेइरियो और प्लाज्मा चिल सीरीज लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : शार्प कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) प्रा.लि. ने भारतीय एयर कंडीशनिंग उद्योग में अपनी रीरियू, सेइरियो और प्लाज्मा चिल सीरीज लॉन्च करके वापसी की है। इन एसी में उन्नत कूलिंग प्रदर्शन के साथ-साथ ऊर्जा दक्षता और हवा को शुद्ध करने के लिए उन्नत फिल्टर का उपयोग किया गया है। शार्प के ये एयर कंडीशनर 7-स्टेज फिल्ट्रेशन, 7-इन-1 कन्वर्टिबल कार्यक्षमता, आई-फील, सेल्फ-डायग्नोसिस और सेल्फ-क्लीनिंग जैसी तकनीक से लैस हैं। यह उत्पाद विभिन्न आकार के कमरों के लिए उपयुक्त हैं और आराम, स्वास्थ्य और सुविधा का आदर्श मिश्रण प्रदान करते हैं। शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) के प्रबंध निदेशक ओसामु नारिता ने भारत में शार्प की मजबूत उपस्थिति बनाने की प्रतिबद्धता जाहिर की। वहीं, शार्प अप्लायंसेज डिवीज़न के उपाध्यक्ष मिमोह जैन ने शार्प के उत्पादों की गुणवत्ता और तकनीकी श्रेष्ठता पर जोर दिया।

हावड़ा डिवीजन ने पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्लांट4मदर अभियान की शुरुआत की

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम प्लांट4मदर (एक पेड़ मां के नाम) रखा गया है। इस अभियान का उद्देश्य कार्यस्थल के वातावरण को बेहतर बनाना, यात्री सुविधाओं को बढ़ाना और रेलवे परिसर में सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य 3,30,000 पेड़ लगाने का है। इसके लिए रेलवे की खाली और उपेक्षित भूमि का प्रभावी उपयोग करने के लिए विस्तृत योजना बनाई गई है। इस अभियान ने अब तक उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जिसमें डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर 292,805 पौधे लगाए गए हैं। इस पहल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हावड़ा स्टेशन के प्रस्तावित प्लेटफॉर्म 24 स्थल से सात पुरानी वृक्षों का सफलतापूर्वक पुनः रोपण करना था, जो रेल म्यूजियम के विपरीत दिशा में किए गए। यह कदम प्लेटफॉर्म निर्माण को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ हरियाली को बनाए रखने में महत्वपूर्ण था। इसके अलावा, कई स्टेशनों पर सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिसमें दैनिक यात्री, स्थानीय निवासी और रेलवे कर्मचारी शामिल हुए हैं।

'पद्मा में पानी की कमी एक प्राकृतिक घटना है'

फरक्का बैराज के निरीक्षण के बाद बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ने किया स्वीकार

मुर्शिदाबाद : फरक्का बैराज का दौरा करने पहुंचे भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग के बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल ने गंगा-पद्मा जल बंटवारे को लेकर अहम बयान दिया है। लंबे समय से गर्मी के मौसम में फरक्का बैराज से बांग्लादेश को पर्याप्त पानी न मिलने का आरोप लगाने वाला बांग्लादेश, अब इस जल कमी को प्राकृतिक कारण मानने लगा है। मंगलवार को फरक्का निरीक्षण के बाद बांग्लादेश प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मोहम्मद अबुल हुसैन ने कहा कि प्राकृतिक कारणों से नदी में जल प्रवाह कम होता है। बता दें कि बांग्लादेश के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गत सोमवार की शाम को न्यू फरक्का स्टेशन पहुंचने के बाद फरक्का बैराज के महाप्रबंधक आरडी देशपांडे ने दल का स्वागत किया। 4 इस दिन, सुबह में प्रतिनिधिमंडल ने बैराज का निरीक्षण किया और गंगा से पद्मा में पानी के प्रवाह की स्थिति

का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद, अबुल हुसैन ने कहा कि जनवरी में पानी की स्थिति अच्छी थी, फरवरी में कम हो गई। जल का घटना-बढ़ना प्राकृतिक प्रक्रिया है। उन्होंने यह भी बताया कि गंगा-पद्मा जल बंटवारा पूरी तरह समझौते के अनुसार लागू हो रहा है। समझौते की अवधि बढ़ाने पर विशेष समिति विचार करेगी। बता दें कि भारत और बांग्लादेश के प्रतिनिधि गुरुवार को संयुक्त नदी आयोग की 86वीं बैठक में भाग लेंगे।

इस बैठक में गंगा-पद्मा जल बंटवारे के साथ ही तीस्ता सहित 54 अंतरराष्ट्रीय नदियों के मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके बाद, शुक्रवार को कोलकाता में तकनीकी स्तर की बैठक आयोजित की जाएगी। शनिवार को बांग्लादेश प्रतिनिधिमंडल विशेष उड़ान से ढाका के लिए रवाना होगा।

बीसी जिंदल ग्रुप की जेपीएफएल फिल्म्स बीओपीए नायलॉन फिल्म्स लॉन्च करने वाली भारत की पहली पैकेजिंग निर्माता बनी

कोलकाता : भारत की सबसे बड़ी फ्लेक्सिबल पैकेजिंग कंपनी जिंदल पॉली फिल्म्स लिमिटेड की सब्सिडरी जेपीएफएल फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड बाईएक्सिअली ओरिएंटेड पॉलीएमाइड (बीओपीए) नायलॉन फिल्म्स लॉन्च करने वाली भारत की पहली प्लेयर बन गई है। जेपीएफएल फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड ने नासिक में इस आधुनिक युनिट में रु 120 करोड़ का निवेश किया है। लॉन्च के अवसर पर डॉ महेश एन गोपालासमुद्रम, डिप्टी सीईओ (ग्रोथ डिविज़न), जेपीएफएल फिल्म्स ने कहा, बीओपीए नायलॉन फिल्म्स के लॉन्च के साथ, जेपीएफएल फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड भारतीय बाज़ार में इस इनोवेशन को लाने वाली पहली प्लेयर बन गई है। यह अनूठा प्रोडक्ट बेहतर मैकेनिकल गुणों और अरोमा बैरियर (गंध रोधक गुण) के साथ आता है जो फार्मा, मेडिकल, एफएमसीजी एवं फूड ऐप्लीकेशन्स के लिए बेहतरीन समाधान होगा। यहां इस बात पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि अभी हाल ही तक इन फिल्मों को 100 फीसदी आयात किया जाता था।

भाई ने किया बहन को गर्भवती

हुगली : श्रीरामपुर थाना क्षेत्र से बहन भाई के पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने का एक बेहद ही सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक चचेरे भाई पर एक नाबालिग बहन ने बलात्कार करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। स्थानीय और पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के दिन चौदह वर्षीय बहन घर पर अकेली थी। भाई ने मौके का फायदा उठाकर उसके साथ बलात्कार किया। नाबालिग शर्म के कारण किसी को कुछ नहीं बता सकी। लेकिन कुछ दिनों बाद नाबालिग बीमार पड़ गई और उसे श्रीरामपुर वाल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने बताया कि वह गर्भवती है। तभी नाबालिग ने पूरी घटना परिजनों को बताई। पुलिस ने परिवार की शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वह फिलहाल जेल में बंद है। क्षेत्रीय पार्षद ने घटना को स्वीकार करते हुए कहा कि यह अत्यंत निंदनीय घटना है। पुलिस ने बहुत जल्दी कार्रवाई की।

दमदम के स्कूल में प्रधानाचार्य पर छात्रा से शोषण का आरोप, जमकर हंगामा

कोलकाता, समाज्ञा : दमदम इलाके के एक सरकारी स्कूल में छात्रा के यौन शोषण का आरोप लगने के बाद माहौल गरमा गया है। घटना सोमवार को दमदम भारतीय विद्यामंदिर स्कूल में घटी, जहां प्रधान शिक्षक शुभजीत भट्टाचार्य पर कक्षा आठ की एक छात्रा से अश्लील हरकत करने का आरोप है। इस घटना के सामने आने के बाद स्कूल में मंगलवार को जमकर विरोध प्रदर्शन हुआ और दमदम थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पीड़ित छात्रा के मुताबिक, आरोपित प्रधान शिक्षक ने उसे अपने कमरे में बुलाया और वहां उसके साथ गलत हरकत की।

छात्रा ने बताया कि उसने मेरी शर्ट पकड़कर खींची और गुप्तांगों पर हाथ लगाया। घबराई छात्रा ने घर जाकर परिजनों को पूरे मामले की जानकारी दी, जिसके बाद अन्य अभिभावकों तक खबर पहुंची और गुस्सा फूट पड़ा। इस दिन, सुबह से ही अभिभावक स्कूल में इकट्ठा होकर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने आरोपित प्रधान शिक्षक की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। अभिभावकों का आरोप है कि यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी कई छात्राओं के साथ इसी तरह की हरकतें हो चुकी हैं, लेकिन बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्राओं ने भी इन आरोपों का समर्थन किया और बताया कि स्कूल में लंबे समय से यह गंदी हरकतें चल रही थीं। इस पूरे हंगामे के बीच आरोपित प्रधान शिक्षक स्कूल में मौजूद नहीं था। फिलहाल, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपों की पुष्टि के लिए जांच जारी है।

ग्रीन लाइन पर 8 और 9 मार्च को पूर्ण मेट्रो सेवा बंद रहेगी

कोलकाता : कोलकाता मेट्रो रेलवे 8 मार्च (शनिवार) और 9 मार्च (रविवार) को संचार आधारित ट्रेन नियंत्रण प्रणाली (सीबीटीसी) के परीक्षण के लिए ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर (ग्रीन लाइन) पर संपूर्ण ट्रैफिक ब्लॉक प्रदान करेगा। इस कारण इन दो दिनों के दौरान हावड़ा मैदान से साल्ट लेक सेक्टर 5 तक मेट्रो सेवाएं पूरी तरह बंद रहेंगी।

इसके अतिरिक्त, 7 मार्च (शुक्रवार) की शाम और 10 मार्च (सोमवार) की सुबह भी मेट्रो सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित रहेंगी। 7 मार्च को अंतिम मेट्रो सेवा निर्धारित समय से पहले समाप्त होगी, जिसमें ग्रीन लाइन-1 की अंतिम मेट्रो सीलदह से साल्ट लेक सेक्टर 5 के लिए शाम 7:03 बजे और साल्ट लेक सेक्टर 5 से सीलदह के लिए शाम 7:05 बजे रवाना होगी। वहीं, ग्रीन लाइन-2 की अंतिम मेट्रो एस्प्लेनेड और हावड़ा मैदान से शाम 7:00 बजे चलेगी।

10 मार्च (सोमवार) को सेवाएं देरी से शुरू होंगी, जिसमें ग्रीन लाइन-1 पर साल्ट लेक सेक्टर 5 से सीलदह के लिए पहली मेट्रो सुबह 8:05 बजे और सीलदह से साल्ट लेक सेक्टर 5 के लिए सुबह 8:15 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार, ग्रीन लाइन-2 पर एस्प्लेनेड और हावड़ा मैदान से पहली मेट्रो सुबह 8:00 बजे चलेगी।

हालांकि, ब्लू लाइन की सेवाएं पूर्ववत जारी रहेंगी।

रिसड़ा एचएनजी प्लांट में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2025 का आयोजन

हुगली : हुगली जिले के रिसड़ा स्थित एचएनजी प्लांट में 4 मार्च से 10 मार्च 2025 तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य कर्मचारियों में सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत 4 मार्च को हुई, जिसमें प्लांट हेड समरेश चक्रवर्ती द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद सभी कर्मचारियों ने सुरक्षा की शपथ ली, जिसमें उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने और एक सुरक्षित वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एचआर हेड सुप्रियो घोष ने सुरक्षा और जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। कर्मचारियों ने सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए मार्च-पास्ट किया। कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए सुरक्षा

विषय पर ड्राइंग और क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सुरक्षा मानकों और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के तरीकों पर जागरूकता प्रशिक्षण दिया गया। सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण वीडियो दिखाए गए, जिससे कर्मचारियों को व्यावहारिक जानकारी मिली। संभावित आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का समापन 10 मार्च 2025 को एक विशेष समारोह के साथ होगा। हेमंत कुमार, अरविंद मिश्रा, सुशांत नंदी, संजीव रंजन, यूनियन प्रतिनिधि, उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे।

फर्जी सिम कार्ड घोटाले में दो गिरफ्तार, बड़ी संख्या में सिम कार्ड और उपकरण जब्त

कोलकाता : फर्जी सिम कार्ड कारोबार के खिलाफ साइबर पुलिस स्टेशन, कोलकाता द्वारा की गई छापेमारी में दो और लोगों की गिरफ्तारी हुई है। यह कार्रवाई केस नंबर 11/25, दिनांक 21.02.2025 के तहत की गई।

इस मामले में 24 और 25 फरवरी को कोलकाता और उसके उपनगरों में छापेमारी कर 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उनके पास से 729 सक्रिय और कच्चे सिम कार्ड, 9 बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन मशीनें और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की थी। इनमें से 4 आरोपी 8 मार्च तक और

बाकी 4 आरोपी 10 मार्च तक पुलिस हिरासत में हैं।

इसके बाद, पुलिस ने 3 मार्च को तिलजला थाना क्षेत्र में एक और छापेमारी की, जिसमें सुवेंदु गायेन (30), निवासी पिकनिक गार्डन रोड, तिलजला, को गिरफ्तार किया गया। उसे अंकिता कम्युनिकेशन, कुस्टिया रोड, तिलजला, कोलकाता से शाम 7:58 बजे पकड़ा गया। सुवेंदु गायेन एक पीओएस ऑपरेटर के रूप में काम करता था और निर्दोष ग्राहकों की पहचान का उपयोग कर सिम कार्ड सक्रिय कर उन्हें ठगों को ऊंचे दामों पर बेचता था।

❑ उसके पास से जब्त सामग्रियों में शामिल हैं:

- 1222 सक्रिय और कच्चे सिम कार्ड
- 1,95,000 रुपये नकद
- 3 मोबाइल फोन
- 1 फिंगरप्रिंट स्कैनर

सुवेंदु गायेन से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक जाल बिछाया और एक फर्जी सिम डीलर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। यह व्यक्ति सुवेंदु से सिम कार्ड खरीदने आने वाला था। तय समय और स्थान पर पुलिस ने उसे रोका और पूछताछ के बाद उसकी संलिप्तता स्पष्ट होने पर गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी का नाम जितेंद्र अग्रवाल (43) है, और विधान सरणी (गिरीश पार्क थाना क्षेत्र) का निवासी है। उसे 3 मार्च को रात 11:20 बजे अग्रवाल कम्युनिकेशन, मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट, की ग्राउंड फ्लोर की दुकान से गिरफ्तार किया गया।

❑ उसके पास से जब्त सामग्रियों में शामिल हैं:

- 52 सक्रिय सिम कार्ड बिना सील पैक के
- 2 फिंगरप्रिंट स्कैनर
- 43,500 रुपये नकद
- 1 मोबाइल फोन

सभी गिरफ्तार आरोपियों को आज (4 मार्च) कोलकाता के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में पेश किया जाएगा।

आरजीकर मामला : सीबीआई ने दो पुलिस कर्मियों से की पूछताछ

आपराधिक साजिश और सुबूत नष्ट करने की जांच के सिलसिले में किया गया था तलब

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल की प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से दुष्कर्म व उसकी हत्या के मामले में आपराधिक साजिश और सुबूत नष्ट करने की जांच के सिलसिले में सीबीआई ने कोलकाता पुलिस के दो कर्मियों से पूछताछ की है। मंगलवार को भी कुछ पुलिस कर्मियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। इनमें अस्पताल परिसर के अंदर टाला पुलिस चौकी में ड्यूटी पर मौजूद कुछ सब-इंस्पेक्टर, असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर और कांस्टेबल शामिल हैं। ये 11 पुलिस कर्मी और अधिकारी उस दिन ड्यूटी

पर थे जिस दिन आरजीकर अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या और दुष्कर्म हुआ था। घटना के दिन यानी नौ अगस्त को टाला थाने के तत्कालीन प्रभारी अभिजीत मंडल ने 11 पुलिस कर्मियों से कई बार फोन पर और व्यक्तिगत रूप से बात की थी। उन्होंने और आरजीकर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने उन्हें विभिन्न निर्देश भी दिए। ये निर्देश अतिरिक्त आरोपपत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए सीबीआई आरोपपत्र दाखिल करने से पहले उनके बयानों को महत्व दे रही है। मामले में संदीप घोष और अभिजीत मंडल को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सीबीआई उनके खिलाफ निर्धारित समय पर आरोपपत्र दाखिल नहीं कर सकी। परिणामस्वरूप दोनों को जमानत दे दी गई। बाद में, सीबीआई ने अदालत को सूचित किया कि वह एक अतिरिक्त आरोपपत्र दाखिल करेगी।

गंगा नदी में नहाने के दौरान डूबने से दो बच्चों की मौत, शव बरामद

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के बाली बरेंद्रपाड़ा गंगा घाट पर दो बच्चे की डूबने से मौत हो गई। मृत बच्चों की पहचान आरुष शर्मा और योगेश सिपानी के रूप में हुई है। दोनों की उम्र 16 से 17 साल के बीच बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे बेलूर अशोका बिहार आवास के एक निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूल के कक्षा 10वीं के छात्र थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीन बच्चे गंगा घाट के पास के मैदान में खेलने आए थे। खेलने के बाद बच्चे नहाने के लिए गंगा नदी में उतर गए। इस दौरान दो बच्चे गहरे पानी में डूबने लगे। उनके तीसरे दोस्त ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वह उन्हें बचा नहीं सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन ने तत्काल तलाश अभियान शुरू किया। पुलिस और डीएमजी ग्रुप के संयुक्त प्रयास से चार घंटे बाद पहले बच्चे का शव बरामद किया गया। उसके बाद दूसरे बच्चे का भी शव बरामद कर लिया गया।

जीटीए नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में जस्टिस बसु ने खुद को किया था अलग, प्रधान न्यायमूर्ति ने फिर से उनकी अदालत में भेजा मामला

कोलकाता, समाज्ञा : जीटीए नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस विश्वजीत बसु ने खुद को इस मामले से अलग कर लिया था, लेकिन प्रधान न्यायमूर्ति टी एस शिवगणनम ने इस मामले को फिर से जस्टिस बसु की अदालत में भेज दिया। इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी। जस्टिस बसु ने राज्य की भूमिका से निराश होकर इस मामले से खुद को हटा लिया था और राज्य के इरादों पर सवाल उठाए थे। हालांकि, मंगलवार को कोलकाता हाईकोर्ट के प्रधान न्यायमूर्ति ने इस मामले को फिर से न्यायमूर्ति बसु के अदालत में भेज दिया। अब यह सवाल उठता है कि न्यायमूर्ति विश्वजीत बसु ने इस मामले से क्यों हटने का निर्णय लिया था?

असल में राज्य के महाधिवक्ता किशोर दत्त ने कहा था कि इस मामले की सुनवाई का अधिकार इस अदालत के पास नहीं है और यह मामला जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच का है। इस टिप्पणी से न्यायमूर्ति बसु आहत हो गए थे और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि चूंकि महाधिवक्ता ने उनके अधिकार पर सवाल उठाया है, इसलिए उन्होंने इस मामले से अलग होने का निर्णय लिया। वहीं, याचिकाकर्ता के वकील विकासरंजन भट्टाचार्य ने इस पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि अदालत को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच में इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बसु के अदालत में होती थी। बाद में जब यह मामला जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच में न्यायमूर्ति कृष्णा राव के अदालत में गया, तो उन्होंने रजिस्ट्रार के माध्यम से सभी मामलों की सुनवाई मुख्य बेंच यानी न्यायमूर्ति विश्वजीत बसु के अदालत में भेज दी, इसलिए इस मामले की सुनवाई का अधिकार इस अदालत के पास है।

इस भ्रष्टाचार मामले में राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, तृणमूल नेता तृणांतिकुर भट्टाचार्य, और बिनय तामांग का नाम जुड़ा हुआ है। भ्रष्टाचार मामले की जांच को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं, जैसे कि आरोपियों को 41/ए धारा के तहत नोटिस क्यों नहीं दिया गया, और पूरी घटना के संबंध में आरोपों के आधार पर क्या कदम उठाए गए हैं।

पारिवारिक विवाद के कारण उच्च माध्यमिक परीक्षार्थी की पिटाई

❑ बिस्तर पर पड़ा छात्र परीक्षा ही नहीं दे पाया

हावड़ा : घर में ही पड़ा रह गया एडमिट कार्ड, लेकिन छात्र परीक्षा देने नहीं जा सका। हावड़ा के सोलाप में पारिवारिक विवाद के कारण एक उच्च माध्यमिक परीक्षार्थी को बेरहमी से पीटा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बुरी तरह चोट लगने के कारण छात्र अब बिस्तर पर है और परीक्षा में शामिल नहीं हो सका। जोगाचा हाई स्कूल में उसका परीक्षा केंद्र था, लेकिन वह वहां तक पहुंच ही नहीं सका।

परिवार का कहना है कि संपत्ति को लेकर घर में लंबे समय से विवाद चल रहा था। करीब दस दिन पहले छात्र के दो चाचा, मनोआर हुसैन गाजी और मोहम्मद हुसैन गाजी, ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस हमले में उसे गंभीर चोटें आईं,

खासकर उसके सीने और गले में। पहले उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, फिर बेहतर इलाज के लिए कोलकाता के पीजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार का आरोप है कि प्रशासन को सूचना देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

सोलाप-2 नंबर पंचायत क्षेत्र में हुई इस घटना को लेकर परिवार बेहद आहत है। उनका कहना है कि हमलावरों ने इतनी बेरहमी से मारा कि दस दिन बाद भी छात्र बिस्तर से उठ नहीं पा रहा है। पीड़ित छात्र के पिता ने अपने ही भाइयों पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके बेटे को सीने और सिर पर इतनी जोर से मारा गया कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। गला दबाने के साथ-साथ उसके सीने पर हथौड़े से वार किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी उनके परिवार पर हमले हुए हैं, लेकिन पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कोई मदद नहीं मिली।

अब अपने बेटे की हालत देखकर वे डरे हुए हैं और चिंता में हैं कि इस माहौल में परिवार के साथ सुरक्षित कैसे रहेंगे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में देविदत्त सतपथी ने मुख्य सतर्कता अधिकारी का पदभार संभाला

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में 3 मार्च से मुख्य सतर्कता अधिकारी का पदभार देविदत्त सतपथी ने संभाल लिया है। सतपथी भारतीय रेलवे सेवा (आईआरएसएमई) 2009 बैच के अधिकारी हैं और उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में अपनी नई जिम्मेदारी को ग्रहण किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट के चेयरमैन, रथेंद्र रमन ने मंगलवार को देविदत्त सतपथी का औपचारिक स्वागत किया। यह स्वागत सत्र श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट के मुख्य कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें कोलकाता डॉक सिस्टम और हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स के विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। श्री सतपथी के पास सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र की

संस्थाओं में 20 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उनकी विशेषज्ञता नीति निर्माण, प्रशासन, रेलवे संचालन, ऊर्जा प्रबंधन और पेट्रोलियम उत्पादन के क्षेत्रों में रही है। भारतीय रेलवे में असाधारण सेवा के लिए उन्हें 2015 में जीएम का पदक भी प्राप्त हुआ था। उन्होंने उड़ीसा के यूसीई बुरला, संबलपुर विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री और जापान के नागोका विश्वविद्यालय से प्रौद्योगिकी में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। भारत सरकार में शामिल होने से पहले, श्री सतपथी ने ओएनजीसी में कार्यकारी अभियंता के रूप में सेवा की और स्टील मंत्रालय में निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया।

टेंगरा ट्रिपल मर्डर मामले में गिरफ्तार मृतका के पति को दो दिनों की पुलिस हिरासत

कोलकाता, समाज्ञा

कोलकाता पुलिस ने टेंगरा तिहरे हत्याकांड में मुख्य आरोपी प्रसून दे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि प्रसून से सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पूछताछ की गई। 43 वर्षीय प्रसून ने अपने बयान में दावा किया है कि उसने ही अपनी पत्नी रोमी दे व भाभी सुदेशना की कलाई की नस काटकर हत्या कर दी थी। जबकि, पुत्री प्रियम्बदा दे की तकिए से मुंह दबाकर जान से मार डाला था। इस दौरान, उसकी मां रोमी ने उसका पैर पकड़ रखा था। रोमी दे के पिता ने इस घटना में हत्या की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने प्रसून को मंगलवार को सियालदह अदालत में पेश किया। राज्य के कानूनी सहायता संगठन लीगल एड सर्विसेज ने कहा कि प्रसून वकील नहीं रखना चाहता है। पुलिस ने अदालत को बताया कि घटना की पुनर्रचना के लिए आरोपी को हिरासत में लेने की जरूरत है। न्यायाधीश ने प्रसून को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। दूसरी तरफ, आत्महत्या के प्रयास में घायल होने के बाद प्रसून, उसके बड़े भाई प्रणय दे व उनके पुत्र प्रतीप दे का पुलिस की निगरानी में यहां नील रतन सरकार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज चल रहा था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रसून के बयानों में विसंगतियां पाई गईं। कोलकाता पुलिस ने पहले दोनों भाइयों के बयान दर्ज कर लिए थे, लेकिन विस्तृत पूछताछ शुरू करने के लिए मेडिकल मंजूरी का इंतजार कर रही थी।

भारत-बांग्लादेश सीमा से बीएसएफ ने जब्त किया 103 किलो गांजा

कोलकाता, समाज्ञा : बीएसएफ के दक्षिण बंगाल सीमांत अंतर्गत 67वीं वाहिनी की सीमा चौकी सुतिया के जवानों ने उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास सोमवार की देर रात तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए 103 किलो गांजा की एक बड़ी खेप जब्त की। बीएसएफ ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि गांजा की खेप को सीमा पार कराकर भारत से बांग्लादेश में तस्करी की योजना थी। अधिकारियों ने बताया कि जवानों को गुप्त सूत्रों से जानकारी मिली थी कि सीमा चौकी सुतिया के सीमावर्ती इलाके से मादक पदार्थों की तस्करी की जा सकती है। इस सूचना के आधार पर जवानों ने इलाके में कड़ी निगरानी शुरू की। रात करीब 1.30 बजे

जवानों ने 3-4 संदिग्ध व्यक्तियों को भारी वजन उठाए हुए तारबंदी की ओर बढ़ते देखा। जवानों ने तस्करों को रुकने की चेतावनी दी और उनकी ओर तेजी से बढ़े, लेकिन पकड़े जाने के डर से तस्कर घबराहट में सामान फेंककर अंधेरे व आबादी वाले इलाके का फायदा उठाते हुए भाग निकले। तलाशी के दौरान कई पोटले मिले, जिनके अंदर से कुल 103 किलो गांजा बरामद हुआ। गांजे को आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय, बनगांव को सौंप दिया गया है।

काकद्वीप में गेरुआ शिविर में तीव्र गुटबाजी! बीजेपी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई

कोलकाता : बंगाल बीजेपी में मंडल अध्यक्ष के चुनाव को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बार काकद्वीप में पार्टी की गुटबाजी खुलकर सामने आ गई। मंगलवार को बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हाथापाई हुई और पार्टी कार्यालय में कुर्सियां तोड़ दी गईं। हालांकि, स्थानीय बीजेपी नेतृत्व ने गुटबाजी की बात से इनकार किया है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने इस घटना को लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला है।

मिली जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले बीजेपी के विभिन्न इलाकों में मंडल अध्यक्षों का चुनाव हुआ था। दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर संगठनात्मक जिला में मंडल अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भारी असंतोष था। मंडल 2 के अध्यक्ष के रूप में जब देवाशीष दास का नाम सामने आया, तो क्षेत्र में बीजेपी के दो गुटों के बीच तनाव बढ़ने लगा। अंततः यह असंतोष विस्फोटक रूप ले लिया।

बीजेपी कार्यालय के अंदर ही पार्टी कार्यकर्ता आपस में तीखी बहस में उलझ गए, जो धीरे-धीरे हाथापाई में बदल गई। दोनों पक्ष एक-दूसरे को गालियां देने लगे और स्थिति इतनी बिगड़ गई कि कुर्सियों को तोड़ दिया गया। यहां तक कि पार्टी के झंडे को फाड़ने का भी आरोप है।

इस घटना के बाद इलाके में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। हालांकि, बीजेपी नेतृत्व ने गुटबाजी की बात मानने से इनकार कर दिया है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे पार्टी के भीतर बढ़ते टकराव का संकेत बताया है।

श्री माहेश्वरी विद्यालय के शताब्दी वर्ष पर 21 मार्च को कार्यक्रम का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : श्री माहेश्वरी विद्यालय के शताब्दी वर्ष पूरे होने पर विद्यालय के भूतपूर्व छात्रों ने मायरा बैंक्वेट हॉल में आगामी 21 मार्च, शुक्रवार को शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में भूतपूर्व छात्रों ने श्री माहेश्वरी विद्यालय अलुमुनि गठित करते हुए स्वर्णिम शताब्दी समारोह कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय किया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रियता से जुटे सैकड़ों भूतपूर्व छात्रों के अलावा दायित्व प्राप्त बिनोद छावछरिया, संतोष लाहोटी, विजय केडिया और सुशील कोठारी के नेतृत्व में 21 मार्च को मायरा बैंक्वेट में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम सिद्धेश्वर नाथ मिश्रा, लक्ष्मी नारायण सोनी, अभिषेक तापड़िया, गोपाल शर्मा, बृजमोहन मुंदड़ा, कैलाश अगरवाल, मनोज चांडक, बालकिशन शर्मा, श्याम सराफ, केदार उपाध्याय, दिनेश बाहेती भी कार्यक्रम को सफल बनाने में हर मिटिंग में जुड़कर अपना भरपूर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

हाईकोर्ट में पालक साग खरीदने जैसा आदेश पर राज्य वकील की हैरान करने वाली टिप्पणी

कोलकाता, समाज्ञा : पालक साग खरीदने जैसा हाईकोर्ट में आदेश दिया जा रहा है। यह चौंकाने वाली टिप्पणी राज्य के वकील कल्याण बंद्योपाध्याय ने मंगलवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश तीर्थंकर घोष के सामने की। यह टिप्पणी अर्जुन सिंह की एफआईआर खारिज करने के मामले की सुनवाई के दौरान दी गई। राज्य के वकील कल्याण बंद्योपाध्याय ने कहा, राजनीतिक प्रभावशाली लोग इस तरह के मामले कर रहे हैं। क्या एफआईआर खारिज करने के लिए इस तरह से आना चाहिए? आरोपी बिना किसी ठोस कारण के हाईकोर्ट आते हैं और आदेश लेकर चले जाते हैं। केवल इस हाईकोर्ट में ऐसा होता है। इसके बाद, वकील ने सवाल उठाया, क्या जांच को रोकने का आदेश दिया जा सकता है? उन्होंने इस स्थिति की तुलना पालक साग खरीदने से करते हुए यह टिप्पणी की। जस्टिस तीर्थंकर घोष ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह जरूरी नहीं कि हर मामला ऐसा हो, कुछ मामलों में ही ऐसा आदेश दिया जा रहा है। इसके बाद, भाजपा नेता अर्जुन सिंह और उनके अंगरक्षक की अवधि को 31 मार्च तक बढ़ा दिया गया। इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। ज्ञात हो कि अर्जुन सिंह और उनके अंगरक्षक के खिलाफ एफआईआर खारिज करने की याचिका लेकर भाजपा नेता अर्जुन सिंह के साथी प्रियांगु पांडे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। भाटपाड़ा थाने की पुलिस ने अर्जुन सिंह के खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज किया था। पुलिस का आरोप है कि बैराकपुर थाने के पुलिसकर्मी जब अर्जुन सिंह के घर नोटिस लेकर पहुंचे थे, तब उनके अंगरक्षक और अर्जुन सिंह ने अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया था।

सीआईएसएफ बंगाल से कन्याकुमारी तक साइक्लोथॉन का करेगा आयोजन

❑ सात मार्च को दक्षिण 24 परगना जिले के बक्खाली द्वीप से शुरू होगी साइकिल रैली

❑ 25 दिनों में 125 साइकिल सवार 6,500 किमी से ज्यादा की दूरी करेंगे तय

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अपने 56वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में तटीय सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष 'ग्रेट इंडियन कोस्टल साइक्लोथॉन' (बड़ी साइकिल रैली) का आयोजन करने जा रहा है। 6,553 किलोमीटर लंबी दूरी तय करने वाली यह साइकिल रैली सात मार्च को एक साथ दो जगहों बंगाल और गुजरात (पूर्वी और पश्चिमी छोड़) से शुरू होगी और करीब 25 दिनों बाद एक अप्रैल को कन्याकुमारी में विवेकानंद मेमोरियल पर इसका समापन होगा। बंगाल में यह साइकिल रैली दक्षिण 24 परगना जिले के बक्खाली द्वीप से शुरू होगी। मंगलवार को कोलकाता में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में सीआईएसएफ के नॉर्थ ईस्ट सेक्टर के महानिरीक्षक (आईजी) शिखर सहाय ने इसकी जानकारी दी। आईजी ने बताया कि इस रैली में सीआईएसएफ के कुल 125 साइकिल सवार (जवान व अधिकारी) भाग लेंगे, जिनमें 14 महिलाएं भी शामिल होंगी। सीआईएसएफ के इस साइक्लोथॉन की थीम 'सुरक्षित तट, समृद्ध भारत' रखी गई है। उन्होंने बताया कि यह साइकिल रैली देश के पूर्वी और पश्चिमी समुद्री तटों से होकर गुजरेगी जिसके तहत यह पूर्वी भाग में 2,778 किलोमीटर तथा पश्चिमी भाग में 3,775 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सात मार्च को तमिलनाडु के रानीपेट जिले के थक्कोलम में सीआईएसएफ दिवस परेड के मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शिरकत करेंगे और वहीं से इस साइकिल रैली को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हरी झंडी दिखाएंगे।

❑ साइकिल रैली के दौरान होंगे कई कार्यक्रम

आईजी ने बताया कि पूर्वी तट में यह साइकिल रैली बक्खाली से शुरू होकर बंगाल के हल्दिया व दीघा जैसे शहरों से होते हुए ओडिशा में प्रवेश करेगी। ओडिशा में कोणार्क, पारादीप के बाद आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम होते हुए चेन्नई और पांडिचेरी व अंत में कन्याकुमारी में अपनी यात्रा समाप्त करेगी। रैली के दौरान रास्ते में कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्थानीय समुदायों, स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेटों आदि के साथ बातचीत के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम और वृक्षारोपण भी शामिल हैं।

झाड़ग्राम में पारिवारिक विवाद के चलते युवक ने भाभी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

झाड़ग्राम : पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक ने अपनी भाभी की हत्या कर दी। जबकि, इस घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वे अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना झाड़ग्राम में घटी। मृतका की पहचान राधारानी पात्रा (55) के रूप में की गई है। पुलिस ने घटना के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम रंजीत साधु है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, परिवार में कई दिनों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। पता चला है कि सोमवार की रात को विवाद अपने चरम पर पहुंच गया। देर रात युवक ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। युवक ने अपनी भाभी राधारानी पर कुल्हाड़ी से प्रहार किया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी बेटी अंजलि दास पात्रा और एक रिश्तेदार जोयिता पात्रा उनकी मदद के लिए आगे आईं। एक अन्य पड़ोसी, चंपा सबर, उनके साथ थी। आरोपी रंजीत साधु ने उन पर कुल्हाड़ी से भी हमला किया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। खबर मिलते ही एडिशनल एसपी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल उसी रात इलाके में पहुंचा। उस युवक को उसी रात गिरफ्तार कर लिया गया। शव बरामद कर लिया गया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों को बचाकर झाड़ग्राम मेडिकल कॉलेज व अस्पताल ले जाया गया। उनका वहां इलाज चल रहा है। लेकिन इस हमले का कारण क्या है? यह मामला अभी तक स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ शुरू कर दी है। मंगलवार की सुबह से ही इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई है।

भारत तीन-चार वर्षों में लिथियम की मांग को पूरा करने में सक्षम होगा : मंत्री जी. किशन रेड्डी

❑ भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के 175वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय खान मंत्री ने जताई उम्मीद

❑ जीएसआई ने 175वें स्थापना दिवस का मनाया जश्न, डाक कवर भी जारी

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि भारत अगले तीन-चार साल में लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की मांग को देश के भीतर ही पूरा करने में सक्षम होगा। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के 175 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कोलकाता स्थित केंद्रीय मुख्यालय में आयोजित स्थापना दिवस समारोह के इतर संवाददाताओं से बातचीत में रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन का उद्देश्य लिथियम जैसे खनिजों के खनन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि हमें मोबाइल फोन की बैटरी और सौर पैनलों के लिए लिथियम की जरूरत है। हमें उम्मीद है कि अगले तीन-चार वर्षों में हम देश के भीतर से लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की मांग को पूरा कर सकेंगे और यह काफी मददगार होगा। खान मंत्री ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिज मिशन के लिए 32,000 करोड़ रुपये खर्च करने की मंजूरी मिल गई है। उन्होंने राष्ट्र के विकास में जीएसआई के योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि जीएसआई राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे भारत को 2047 तक खनिज अन्वेषण में शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद मिलेगी, ताकि विकसित भारत के मिशन को साकार किया जा सके। रेड्डी ने बताया कि जीएसआई लातिन अमेरिकी देश अर्जेंटीना के साथ मिलकर पांच लिथियम ब्लाक पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि 1851 में स्थापना के बाद से, जब जीएसआई को कोयला भंडार की खोज के लिए अंग्रेजों द्वारा स्थापित किया गया था, इसने एक लंबा सफर तय किया है और विभिन्न प्रकार के खनिजों और प्राकृतिक गैस की खोज की है। उन्होंने कहा कि केवल खनिजों की खोज ही नहीं, बल्कि जीएसआई ने बांध निर्माण, सुरंग निर्माण, विरासत को संरक्षित करने और आपदा की तैयारी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केंद्रीय खान मंत्री की मौजूदगी ने जीएसआई ने कोलकाता स्थित अपने केंद्रीय मुख्यालय में भव्य समारोह के साथ अपने 175वें स्थापना दिवस का जश्न मनाया। समारोह में मुख्य अतिथि खान मंत्री रेड्डी ने पौधारोपण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। जीएसआई की शानदार यात्रा के 175वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए एक स्मारक पट्टिका और इंडिया पोस्ट द्वारा एक विशेष डाक कवर का भी मंत्री ने अनावरण किया। समारोह में कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद, हिंदुस्तान कापर लिमिटेड (एचसीएल) के सीएमडी घनश्याम शर्मा, जीएसआई के महानिदेशक असित साहा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जीएसआई के पूर्व अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद थे। इस दौरान जीएसआई के जाने-माने पूर्व वैज्ञानिकों ने संस्थान की उल्लेखनीय विरासत और भविष्य के लिए इसके दृष्टिकोण पर अपने अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर जीएसआई के महानिदेशक ने अनुकरणीय सेवा और प्रतिबद्धता के लिए कई कर्मचारियों को सम्मानित भी किया।

न्यूज इन ब्रीफ

भारत की नदी डॉल्फिन आबादी का लगभग 40 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में

लखनऊ: देश की नदियों में पायी जाने वाली डॉल्फिन की आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में मौजूद है। देश में 6,327 में से 2,397 डॉल्फिन उत्तर प्रदेश में पायी गयी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गिर राष्ट्रीय उद्यान में सातवीं राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की बैठक में भारत की पहली नदी डॉल्फिन अनुमान रिपोर्ट का अनावरण किया। इस रिपोर्ट में देश भर में 6,327 डॉल्फिन होने की पुष्टि की गई। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश 2,397 डॉल्फिन के साथ पहले स्थान पर है। उसके बाद बिहार (2,220), पश्चिम बंगाल (815) और असम (635) हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा कि सर्वेक्षण 3,150 दिनों तक चला, जिसमें आठ राज्यों की 28 नदियों में 8,500 किलोमीटर की दूरी तय की गई। बयान के मुताबिक, यह राज्य सरकार द्वारा वनों, पर्यावरण और जलीय वन्यजीवों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिए जाने का परिणाम है। सरकार ने 17 अक्टूबर, 2023 को गांगेय डॉल्फिन को उत्तर प्रदेश का राज्य जलीय जीव घोषित किया है।

नाबालिग के यौन उत्पीड़न के दोषी युवक को सात साल की कैद

जयपुर: राजस्थान की एक विशेष अदालत ने छह साल की नाबालिग के यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए उसे सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। जयपुर स्थित विशेष पॉक्सो अदालत के न्यायाधीश तिरुपति कुमार गुप्ता ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी विजय कुमार (27) को नाबालिग के यौन उत्पीड़न का दोषी माना और उसे सात साल के कठोर कारावास तथा 25,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक राकेश महर्षि ने बताया कि इस मामले में पीड़िता के पिता ने जयपुर के श्याम नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि घटना वाले दिन वह अपनी पत्नी के साथ किसी काम से बाहर गया था, तभी घरेलू नौकर के तौर पर काम करने वाले विजय ने उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया। महर्षि के मुताबिक, प्राथमिकी के आधार पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि अदालत के समक्ष कुल नौ गवाह पेश किए गए।

उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में एक भी नया कर नहीं लगाया गया: योगी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के सामान्य बजट पर चर्चा में सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि राज्य में पिछले आठ वर्षों में एक भी नया कर नहीं लगाया गया। योगी ने कहा कि 2025-26 के बजट का आकार 8,08,736 करोड़ रुपये से अधिक का है और यह देश के किसी राज्य की तुलना में सबसे बड़ा बजट है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश पिछले पांच वर्ष से राजस्व अधिशेष स्थिति में है। कर अपवंचन को रोका गया है। 'रेवेन्यू लीकेज' को समाप्त किया गया है। डिजिटल प्रणाली अपनाई गई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा, पहले यह राशि विकास और कल्याण में इस्तेमाल नहीं हो पाती थी। आज पाई-पाई प्रदेश हित में उपयोग हो रही है और देश के अंदर सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचा देने में सफलता मिल रही है। बीते आठ वर्ष में एक भी नया कर नहीं लगाया। प्रदेश में डीजल-पेट्रोल की दरें देश में सबसे कम हैं, बावजूद इसके उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष राज्य के रूप में समृद्धि के नये सोपान चढ़ता जा रहा है। इस सफलता के पीछे रामराज्य की अवधारणा ही है। उन्होंने बरसत हरसत सब लखे, करसत लखे न कोय, तुलसी प्रजा सुभाग से, भूप भानु सो होय' चौपाई सुनाई और कहा कि श्री राम जी भरत से कहते हैं कि हमें प्रजा से कर ऐसे लेना चाहिए, जैसे सूर्य लेता है। योगी ने कहा कि यह बजट 2016-17 (3.46 लाख करोड़) की तुलना में लगभग ढाई गुना बड़ा है और 2024-25 के बजट के सापेक्ष इसमें 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बजट का बढ़ा हुआ आकार सिर्फ व्यय नहीं, बल्कि अंतिम पायदान तक विकास की पहुंच, अवसंरचनात्मक विस्तार, आम जन के जीवन स्तर को ऊपर उठाने, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने का परिचायक होता है।

सपा डॉ. लोहिया के मूल्यों और आदर्शों से बहुत दूर जा चुकी है : योगी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा डॉ. लोहिया का नाम तो लेती है, लेकिन वह उनके मूल्यों और आदर्शों से बहुत दूर जा चुकी है। योगी ने सपा पर महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए एक नाविक परिवार की सफलता की कहानी भी बताई। उन्होंने कहा, एक नाविक परिवार जिसके पास 130 नौकाएं थीं, उसने 45 दिनों की अवधि में शुद्ध 30 करोड़ रुपये की बचत की। योगी ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के नौवें दिन विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय का जवाब देते हुए कहा, मुझे अच्छा लगा कि नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात को दार्शनिक अंदाज में राम मनोहर लोहिया के अनुयायी के रूप में रखने का प्रयास किया, लेकिन वह खुद उसका आचरण कर पाते हैं या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं उन्हें सुझाव नहीं दे सकता, क्योंकि वह उम्र में काफी बड़े हैं और वैसे भी आज की ये समाजवादी पार्टी डॉ. लोहिया का नाम तो लेती है, लेकिन उनके मूल्यों एवं आदर्शों से बहुत दूर जा चुकी है। योगी ने कहा, डॉ. लोहिया ने कहा था कि सच्चा समाजवादी वह है, जो संपत्ति और संतति से दूर रहे। आपकी पार्टी (सपा) के आचरण से आप देख सकते हैं कि वह लोहिया के मूल्यों एवं आदर्शों से कितनी दूर जा चुकी है।

राजग सरकार ने बिहार में 'हिंदू-मुस्लिम झगडों' को खत्म किया: नीतीश

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी और सांप्रदायिक दंगों में नामजद लोगों को न्याय के कटघरे में लाने जैसे कदम उठाकर राज्य में होने वाले 'हिंदू-मुस्लिम झगड़ों' को खत्म किया है। कुमार बिहार विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। जनता दल (यू) के अध्यक्ष ने अपनी चिरपरिचित अंदाज में कहा, '2005 में सत्ता में आने से पहले कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी दयनीय थी कि लोग शाम ढलने के बाद अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। खराब सड़कों के कारण आवागमन भी मुश्किल हो गया था।' कुमार ने अपनी टिप्पणी पर हंगामा करने वाले विपक्षी सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा, 'आप लोग बच्चे हैं। क्या आपको पता है कि उस समय क्या स्थिति थी?' बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की ओर इशारा करते हुए कुमार ने कहा, 'वह भी बच्चे हैं।' उन्होंने प्रेस दीर्घा की ओर अंगुली से इशारा करते कहा, 'पत्रकारों से पूछिए कि उस समय हालात कितनी खराब थी।' मुख्यमंत्री ने अप्रत्यक्ष रूप से राजद-कांग्रेस गठबंधन का भी जिक्र करते हुए कहा, 'पहले, राज्य में हमेशा हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच झगड़ा होता था। जो लोग मुस्लिम वोट लेते थे, वे इसे कभी खत्म नहीं कर सके। जब मैंने कार्यभार संभाला, तो कब्रिस्तान के लिए जमीन पर विवाद एक प्रमुख कारक के रूप में पहचाना गया। इसलिए, हजारों कब्रिस्तानों की घेराबंदी की गई, जिसका पूरा खर्च सरकार ने उठाया।'

कसी भी विवादित ढांचे में नमाज नहीं पढ़ी जा सकती : संभल मामले में हिंदू पक्ष के अधिवक्ता

संभल: उत्तर प्रदेश के संभल जिले के शाही जामा मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष के अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि संभल की शाही जामा मस्जिद एक विवादित ढांचा है और कुरान के मुताबिक किसी भी विवादित ढांचे में नमाज नहीं पढ़ी जा सकती है। शर्मा ने यह टिप्पणी यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में की। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर साझा किया जा रहा है। वीडियो में शर्मा एक पत्रकार के सवाल के जवाब में यह कहते नजर आ रहे हैं, संभल की शाही जामा मस्जिद एक विवादित ढांचा है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। हम (हिंदू) कह रहे हैं कि यह एक मंदिर है, वे (मुसलमान) कह रहे हैं कि यह एक मस्जिद है। ऐसे में यह एक विवादास्पद ढांचा हो गई। शर्मा ने कहा, कुरान के अनुसार, किसी भी विवादित ढांचे में 'नमाज' नहीं पढ़ी जा सकती है। यह उनका धार्मिक पाठ कहता है कि उन्हें वहां 'नमाज' नहीं पढ़नी चाहिए। जब शर्मा से पूछा गया कि क्या हिंदू पक्ष अब वहां पूजा करने की अनुमति मांगेगा, तो उन्होंने कहा, पहले उनका (मुस्लिम) जवाब आने दें। हालांकि, हमने दावे में पूजा की अनुमति देने की प्रार्थना की है।

संभल मामले को लेकर योगी बोले-जो हमारा है, हमें मिल जाना चाहिए

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान संभल का मामला उठाया और कहा कि हमने तो यही कहा है कि जो हमारा है, हमें मिल जाना चाहिए और हम उससे इतर कहीं नहीं जा रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सरकार पर आरोप लगाया कि उसकी नीयत मस्जिद में मंदिर खोजने की है। इसका जवाब देते हुए योगी ने कहा, एक पक्ष (महाकुंभ) वह है, जो आपके सामने उद्धरण के रूप में है, प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता है। लेकिन दूसरा पक्ष वह भी है, जब 26 फरवरी को संभल में 56 वर्षों के बाद शिव मंदिर में जलाभिषेक का कार्यक्रम हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, अकेले संभल में एक शरारत के तहत 68 तीर्थों और 19 कूपों की निशानी मिटाने की कोशिश की गई। उन्हें खोजना हमारा काम था। हमने 54 तीर्थ खोजे और 19 कूपों को भी ढूंढ निकाला। उन्होंने कहा, 68 तीर्थों में से 54 को ढूंढना हमारी विरासत का हिस्सा है। हमने तो यही कहा है-जो हमारा है, हमें मिल जाना चाहिए, हम उससे इतर कहीं नहीं जा रहे हैं। 19 कूपों को मुक्त कराया गया है। सच कड़वा होता है, उसे स्वीकार करने का सामर्थ्य होना चाहिए।

न्यूज अपडेट

विकास के साथ विरासत का संरक्षण हमारा ध्येय: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि विकास के साथ विरासत का संरक्षण हमारा ध्येय है और सरकार राज्य के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास के लिए संकल्पबद्ध है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर प्रदेश के विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''हमारे सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल हमारी प्राचीन विरासत का महत्व-पूर्ण अंग है। राज्य सरकार इस गौरवशाली विरासत के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''राजस्थान में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। हमारे आस्था स्थलों का संरक्षण कर हम पर्यटन क्षेत्र को भी विकसित कर सकते हैं। इससे बड़ी संख्या में रोजगार का भी सृजन होगा।'' आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि विकास के साथ विरासत का संरक्षण हमारा ध्येय है और इस पर कार्य करते हुए हम आस्था धामों के विकास के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता से काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''युवा पीढ़ी को राजस्थान की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत से रूबरू कराया जाना आवश्यक है। इसके लिए स्कूली विद्यार्थियों को प्रसिद्ध स्मारकों एवं ऐतिहासिक स्थलों की नियमित यात्राएं करवाई जाए।'

झांसी में चिकित्सक के अपहरण का मामला, पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा

झांसी: उत्तर प्रदेश के झांसी जिले की एक विशेष अदालत ने एक चिकित्सक के अपहरण के लगभग चार साल पुराने मामले में पांच आरोपियों को मंगलवार को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई और उन पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। शासकीय अधिवक्ता बिपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि दस्यु प्रभावित क्षेत्र न्यायालय के विशेष न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा ने सीपरी बाजार के एक जाने-माने डॉक्टर के अपहरण के मामले में सीपरी बाजार क्षेत्र के ही लकारा गांव निवासी राजवीर सिंह गुर्जर, वासुदेव बिहार कॉलोनी निवासी बादाम सिंह यादव, दतिया निवासी पुष्पेंद्र गुर्जर और मुरैना निवासी रामलखन गुर्जर व कृष्ण कुमार सेंगर को दोषी करार देते हुए उम्रकैद और 25-25 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मिश्रा ने बताया कि यहां संगम बिहार में रहने वाले डॉ. आरके गुरुबख्शानी 29 जनवरी 2021 की सुबह जब टहलने निकले थे, तभी बदमाशों ने शिवपुरी हाइवे से उनका अपहरण कर लिया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में चिकित्सक की पत्नी जयश्री ने सीपरी बाजार थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। खोजबीन के बाद पुलिस ने डॉक्टर गुरुबख्शानी को मुरैना (मध्यप्रदेश) से उस समय बरामद कर लिया था, जब बदमाश उन्हें किसी दूसरे गिरोह को बेचने की तैयारी कर रहे थे। उस समय पुलिस ने पांच अपहरणकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया था।

झारखंड में करीब 7,900 से अधिक सरकारी स्कूल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं: शिक्षा मंत्री

रांची: झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने मंगलवार को कहा कि राज्य में 7,930 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जिनमें केवल एक-एक शिक्षक ही कार्यरत है। शिक्षकों के संकट पर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक राज सिन्हा के प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में 3.81 लाख छात्र दाखिल हैं। बाद में सदन में सोरेन ने कहा कि 103 स्कूल ऐसे हैं जिनमें कोई छात्र नहीं है और उनमें 17 शिक्षक कार्यरत हैं। उन्होंने कहा, हमने 'स्कूल चलो अभियान' जैसी मुहिम शुरू की है, जो खासतौर पर उन इलाकों में चलाई जा रही है जहां स्कूलों में बच्चे नहीं आ रहे हैं, ताकि छात्रों को फिर से स्कूल लाया जा सके। सिन्हा ने स्कूलों में प्रधानाध्यापकों और शिक्षण स्टाफ की कमी का मुद्दा भी उठाया। सिन्हा ने कहा, करीब 3,636 स्कूल बिना प्रधानाध्यापकों के चल रहे हैं। स्कूलों में स्वीकृत 53,352 पदों में से 17,850 पद खाली हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि 26,000 सहायक अध्यापकों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। दूसरे भाग में भोजनावकाश के बाद विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट पर सामान्य बहस शुरू हुई।

लोमड़ी और चील

एक बार की बात है, एक जंगल में एक चतुर और चालाक लोमड़ी रहती थी। लोमड़ी हमेशा भोजन की तलाश में रहती थी और अपनी भूख मिटाने के लिए कुछ भी कर सकती थी। एक दिन, जब लोमड़ी भोजन की तलाश में निकली, तो उसने एक पेड़ के ऊपर एक घोंसला देखा। घोंसला एक चील का था, और उसके अंदर तीन अंडे थे।

लोमड़ी ने मन ही मन सोचा, मैं अपने अगले भोजन के लिए उन अंडों को चुरा लेती हूँ। तो उसने इसके लिए एक प्लान बनाया। वह तब तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता रहा जब तक चील भोजन की तलाश में घोंसला छोड़कर नहीं चली गई। जैसे ही चील नजरों से ओझल हुई, लोमड़ी पेड़ पर चढ़ गई और उनमें से एक अंडा चुरा लिया। वह घोंसला छोड़ने ही वाला था कि चील लौट आई।

लोमड़ी ने जो किया उसे देखकर चील को बहुत गुस्सा आया। उसने झपट्टा मारा और लोमड़ी को अपने पंजों में उठा लिया, उसे अपने घोंसले में ले जाने के लिए तैयार हो गई।

लेकिन लोमड़ी तेज-तर्रार थी और बोली, कृपया, हे शक्तिशाली चील, मुझे जाने दो। मैं अपने भूखे परिवार को खिलाने के लिए केवल एक अंडा ले रही थी। मैं वादा करती हूं कि मैं ऐसा फिर कभी नहीं करूंगी।

चील ने लोमड़ी की दलील सुनी और उसे एक मौका देने का फैसला किया। उसने उसे जाने दिया और देखता रहा कि वह भाग रहा है। लोमड़ी ने सोचा कि उसने चील को मात दे दी है और वह अपने आप में बहुत खुश महसूस कर रही थी। लेकिन चील की अपनी एक योजना थी।

कुछ दिनों बाद चील ने लोमड़ी की मांद का दौरा किया और शांति बनाने की पेशकश की। लोमड़ी हैरान थी लेकिन उसने उसके प्रस्ताव को स्वीकार करने का फैसला किया।

चील ने फिर कहा, मेरे दोस्त, मेरे पास तुम्हारे लिए एक उपहार है। यह एक सुंदर पक्षी का पंख है जो तुम्हारे लिए सौभाग्य लाएगा। लोमड़ी उपहार पाकर रोमांचित हो गई और उसने बाज को धन्यवाद दिया।

लेकिन जैसे ही बाज चला गया, लोमड़ी को एहसास हुआ कि उसके साथ छल किया गया है। पंख उसके गले में फंस गया था और वह सांस नहीं ले पा रहा था। उसने उसे बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वह टस से मस नहीं हुआ। वह चील के घोंसले की ओर भागा और उससे मदद की भीख माँगी।

चील, जो दूर से ही सब देख रही थी, ने देखा कि लोमड़ी को क्या हुआ है और लोमड़ी के पास उड़ गई। उसने धीरे से लोमड़ी के गले से पंख हटा दिया और कहा, याद रखो, मेरे दोस्त, कि ईमानदारी और दया हमेशा सबसे अच्छी नीति होती है। यदि आप अपने दिल का पालन करते हैं और सही करते हैं तो आप कभी गलत नहीं होंगे।

उस दिन से, लोमड़ी और चील बहुत अच्छे दोस्त बन गए, और लोमड़ी ने एक मूल्यवान सबक सीखा। उसने फिर कभी चील से चोरी नहीं की और हमेशा हर किसी से मिलने के लिए ईमानदार और दयालु बनने की कोशिश की।

कहानी का नैतिक

और इसलिए, बच्चों, कहानी का नैतिक यह है कि ईमानदारी और दयालुता को हमेशा पुरस्कृत किया जाएगा, और छल और कपट हमेशा परेशानी का कारण बनेगा।

कछुआ और घमंडी मगरमच्छ

एक नदी में एक मगरमच्छ रहता था। उसी नदी में एक कछुआ भी रहता था। मगरमच्छ को पता था, कि कछुए को वह खा नहीं सकता। उसका खोल मोटा है।

कछुए को भी पता था। कि मगरमच्छ उसे कभी नहीं खा सकता है।

एक दिन मगरमच्छ ने कछुए को कहा - 'देख भाई न तो मैं तुझे खा सकता हूं और न ही तू मुझे नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिये अच्छा है कि हम दोंनो दोस्त बन जायें।

कछुआ कहता है - 'भाई दोस्ती तो बराबर वालों में होती है। हम दोंनो में तो बहुत फर्क है।'

मगरमच्छा को यह सुनकर गुस्सा आ गया। वह बोला - 'अगर ऐसा है तो मैं तुझे उठा कर नदी से बाहर फेंक देता हूं। फिर देखता हूं तू कैसे नदी में आता है।'

कछुआ चुपचाप सुन रहा था। वह बोला - 'भाई लगता है तुमने खरगोश वाली कहानी नहीं सुनी है। एक बार खरगोश को भी ऐसे ही घमंड हो गया था। लेकिन नतीजा यह हुआ कि वह हार गया। इसलिये घमंड करना अच्छी बात नहीं है।'

मगरमच्छा को और ज्यादा गुस्सा आ जाता है। वह कछुए को मुंह से धक्का देने लगता है। कछुआ अपने खोल में चला जाता है। मगरमच्छा उसे नदी के बाहर फेंक देता है। वह उसे नदी से बहुत दूर ले जाता है।

कछुआ जब बाहर निकलता है तो वह अपने आपको एक मैदान में पाता है। मगरमच्छ उससे कहता है - 'आज के बाद अगर तू कभी नदी में आया तो मैं तुझे फिर से बाहर फेंक दूंगा।'

कछुआ बोला - ''कोई बात नहीं मैं नहीं आउंगा। मैं किसी और नदी में चला जाउंगा।

मगरमच्छ यह सुनकर हसने लगा वह बोला - 'तुझे पता है दूसरी नदी यहां से कितनी दूर है। वहां तक तू पहुंच ही नहीं सकता। अब या तो मुझ से माफी मांग या नदी में जाने का ख्याल छोड़ दे।'

कछुआ बोला मैं धीरे धीरे नई नदी में पहुंच ही जाउंगा। लेकिन अब वापस नहीं आउंगा।

मगरमच्छ यह सुनकर वापस चल देता है। लेकिन इस बार वह रास्ता भूल जाता है और दूसरे रास्ते से नदी की ओर जाने लगता है उस रास्ते पर बहुत गीली और चिकनी मिट्टी थी।

जैसे ही मगरमच्छ वहां पहुंचता है। वह गीली मिट्टी में धस जाता है। अब वह न आगे बढ़ पा रहा था, न ही पीछे।

वह बहुत कोशिश करता है। लेकिन जितना भी वह कोशिश करता नीचे धस जाता था। इस तरह उसे अपनी मौत नजर आने लगी। उसे लगा कि वह यहीं पड़े पड़े मर जायेगा।

इधर कछुआ धीरे धीरे आगे बढ़ने लगा। तभी मगरमच्छ ने अपनी पूंछ गीली जमीन पर मारनी शुरू कर दी। जिसकी आवाज सुनकर कछुआ पलटा। वह मगरमच्छा के पास पहुंचा।

मगरमच्छ उसके सामने विनती करने लगा - 'भाई मुझे यहां से किसी तरह निकालो नहीं तो मैं मर जाउंगा।'

कछुआ बोला - ''क्यों तुम्हें तो बहुत घमंड था। मैं तुम्हारी मदद क्यों करूं?'

मगरमच्छ उससे माफी मांगता है। तब कछुआ अपने दोंनो हाथों से मिट्टी हटाने लगता है। बहुत देर तक मेहनत करते करते वह मिट्टी नदी में बहने लगती है। धीरे धीरे मिट्टी कम हो जाती है। मगरमच्छ पानी में पहुंच जाता है।

मगरमच्छ कहता है - 'भाई मुझे माफ कर दो। आज से हम दोंनो दोस्त बन कर रहेंगे।'

कछुआ उसकी दोस्ती स्वीकार कर लेता है। अब मगरमच्छ कछुए को अपनी पीठ पर बैठा कर नदी में घूमता रहता था। फिर दोंनो नदी से बाहर निकल कर एक पेड़ की छॉव में बैठ कर बातें करते रहते थे।

सीख : इस काहानी से हमें यह सीख मिलती है, कि कभी घमंड नहीं करना चाहिये।

हाथी की साईकिल

सरकस में रिंग मास्टर ने हंटर हवा में लहराया और मोती हाथी। रिंग में करतब दिखाने गला कभी वह सूंड उपर करके दो पैरों पर एक छोटे से रस्ते पर चलता।

कभी वह बॉल को हवा में उछल कर करतब दिखाता। हर दिन उसे कुछ नया करतब दिखाना पड़ता था। तभी उसे भरपेट खाना मिलता था। जिस दिन दर्शक कम आते थे या मोती थका होता था। जैसे रात का शो तब तक वह बहुत थक जाता था।

इस कारण वह वही पुराने आसान करतब दिखा कर। वापस चला जाता था। उस दिन रिंग मास्टर उसे आधा ही खाना दिलवाता था। भूख से परेशान मोती एक जगह बैठ कर सोचता काश किसी तरह यहां से भागा जाये।

मोती का सबसे पसंद का करतब था। साईकिल चलाना। उसके लिये एक बड़ी सी साईकिल लाई जाती थी। जिसकी बड़ी सी सीट पर बैठ कर मोती पूरे रिंग में साईकिल चलाता था।

यह देख कर बच्चों के साथ साथ बड़े भी तालियां बताते थे। इसी सरकस में एक सफेद तोता था। हरिया जिससे मोती की दोस्ती हो गई थी। हरिया का पिंजरा मोती के पास ही टंगा होता था। दोंनो बातें करते रहते थे। जो कि बाहर वालों को समझ में नहीं आती थीं।

हरिया तोता बोला - ''क्यों मोती भाई आज भी कम खाना मिला है क्या?'

मोती बोला - 'हां भाई आज तो बहुत ही कम खाना मिला है। तुम्हें तो पूरा खाना मिल जाता है।'

यह सुन कर हरिया बोला - ''कहां मोती भाई खाना तो पूरा मिलता है। लेकिन वो खाना डालने वाला आधी हरी मिर्च तो अपने घर ले जाता है।'

मोती बोला - ''हां भाई मैं तो थक गया हूं। सोने की कोशिश कर रहा हूं। तो भूख के कारण नींद नहीं आ रही है।'

हरिया बोला - 'भाई मुझे तो इन्होंने पिंजरे में बंद कर रखा है, लेकिन तुम तो ताकतवर हो यहां से भाग सकते हो।'

मोती ने अपनी सूंड हिलाते हुए कहा - 'हां भाई कई बार मन में आया लेकिन यहां से मेरा जंगल बहुत दूर है। पैदल कैसे जाउंगा और शहर में रहा तो ये फिर से पकड़ लेंगे।'

हरिया बोला -'मेरे पास एक तरकीब है, लेकिन अगर तुम मुझे भी साथ ले चलो तो मैं बता सकता हूं।'

मोती यह सुनकर बहुत खुश हुआ वह बोला - 'हां हां बताओ, मैं पक्का तुम्हें ले चलूंगा। अरे तुम्हें पिंजरे समेत ले चलूंगा। जंगल में जाकर हम पिंजरा तोड़ देंगे।'

हरिया बोला - 'वो देखो सामने तुम्हारी साईकिल खड़ी है। उस पर ही चलते हैं। रात को तुम खूंटा तोड़ कर साईकिल ले आना फिर मेरे पिंजरे को उसमें रख लेना।'

मोती को हरिया की बात बहुत अच्छी लगी। रात को उसने साईकिल उठा ली और हरिया का पिंजरा अपनी सूंड से उठा कर साईकिल पर रख कर वह चुपचाप साईकिल चलाता हुआ जंगल की ओर चल दिया।

रातभर चलने के बाद सुबह के समय दोंनो जंगल में पहुंच गये थे।

मोती ने कहा - 'भाई बहुत थक गये अब तो कुछ खाने के लिये चाहिये।'

हरिया ने कहा - 'ठीक है भाई तुम जाकर कुछ खा लो।'

मोती ने देखा सामने गांव के पास गन्ने का खेत था। वह गन्ने खाने लगा। गन्ने खाकर उसका पेट भर गया वह वापस आया तो देखा। उसकी साईकिल के पास कई सारे जानवर खड़े हैं।

मोती हाथी ने कहा - 'क्या बात है सब ऐसे क्या देख रहे हो?'

एक हिरण बोला - 'यह क्या है हमने इसे पहली बार देखा है?'

मोती बोला - ''भाई ये साईकिल है इतनी बड़ी इसलिये है, क्योंकि ये मेरे लिये है।''

सभी जानवर बहुत खुश हुए और बारी बारी साइकिल को चला कर देखने लगे। तभी हरिया ने कहा - ''अरे कोई मुझे तो पिंजरे से निकालो।''

मोती को ध्यान आया वह बोला - ''भाइयों मदद करो हरिया को पिंजरे से निकालना है।'

सभी ने पिजरे को पकड़ लिया। फिर एक चीते ने दोंनो पैरों से पिंजरे की सलाखों को चौड़ा कर दिया और हरिया बाहर निकल आया।

सभी जानवर बहुत खुश हुए। हरिया मोती की पीठ पर गया और मोती साईकिल चलाने लगा। पूरे जंगल में घूम घूम कर सब मजे करने लगे।

इस तरह एक तोते की सूझबूझ से मोती को कैद से आजादी मिल गई।

न्यूज इन ब्रीफ

ओडिशा: 10 रुपए के लिए पिता की हत्या, कटा हुआ सिर लेकर पुलिस थाने पहुंचा

बारीपदा (ओडिशा) : ओडिशा के मयूरभंज जिले में गुटखा खरीदने के लिए 10 रुपये देने से मना करने पर 40 वर्षीय बेटे ने मगंलवार को अपने पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हत्या करने के बाद बेटा अपने पिता का कटा हुआ सिर लेकर पुलिस थाने चला गया और आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया, ''आरोपी बेटे ने धारदार हथियार से अपने 70 वर्षीय पिता का सिर काट दिया, जिसके बाद वह कटा हुआ सिर लेकर चंदुआ थाने पहुंच गया और आत्मसमर्पण कर दिया। उसकी मां मौके से फरार हो गई। आरोपी और उसके माता-पिता के बीच तीखी नोकझोंक के बाद ये हत्या की गई।'' मृतक की पहचान बैधार सिंह के रूप में हुई है। बारीपदा के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी प्रवत मल्लिक ने बताया, ''एक मामूली सी बात पर हत्या की गई। आरोपी तब नाराज हो गया जब उसके पिता ने गुटखे के लिए 10 रुपये देने से इनकार कर दिया।'' अधिकारी ने बताया कि पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ गांव पहुंची और जांच जारी है।

नयी दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ के एक पखवाड़े के बाद डीआरएम का तबादला

नयी दिल्ली : नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 यात्रियों की मौत की घटना के एक पखवाड़े बाद मंगलवार को दिल्ली के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सुखविंदर सिंह का तबादला कर दिया गया। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। सिंह को जुलाई 2023 में दिल्ली मंडल का डीआरएम नियुक्त किया गया था और उनका दो साल का कार्यकाल इस साल के अंत तक था। रेल मंत्रालय द्वारा जारी तबादला आदेश में कहा गया है कि उत्तर मध्य रेलवे से पुष्पेश आर त्रिपाठी को दिल्ली का डीआरएम बनाया गया है । हालांकि, आदेश में सिंह की नयी तैनाती के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। आदेश में कहा गया, ''रेल मंत्रालय ने राष्ट्रपति की मंजूरी से निर्णय लिया है कि उत्तर मध्य रेलवे से पुष्पेश आर त्रिपाठी को स्थानांतरित कर सुखविंदर सिंह की जगह डीआरएम/दिल्ली/उत्तर रेलवे के पद पर नियुक्त किया जाता है। सिंह के लिए आदेश बाद में जारी किए जाएंगे।''

कश्मीर के कई इलाकों में हुयी ताजा बर्फबारी

श्रीनगर : कश्मीर के ऊंचाई पर स्थित कुछ इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई, जबकि घाटी के व्यापक हिस्सों में बारिश हुई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बारामूला के कुछ इलाकों के साथ ही गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग, कोकरनाग, कुपवाड़ा और कश्मीर के ऊंचे अन्य इलाकों में बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान श्रीनगर सहित घाटी में व्यापक बारिश दर्ज की गई। बारिश के मौसम के कारण कश्मीर में दिन का तापमान गिर गया, जिससे घाटी में अधिकतम तापमान में सामान्य से तीन से नौ डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने कहा कि दिन में मौसम में सुधार होने की संभावना है और 10 मार्च तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने वनतारा की सराहना की

लोगों से जानवरों के प्रति दया का भाव रखने का आग्रह किया

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वन्यजीव संरक्षण, बचाव और पुनर्वास की अनूठी पहल 'वनतारा' की सराहना करते हुए लोगों से जानवरों के प्रति दया का भाव रखने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने रविवार को गुजरात के जामनगर जिले में पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा किया था करीब 3,000 एकड़ क्षेत्र में फैला वनतारा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के जामनगर रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स में स्थित है। यह हाथियों और वन्यजीवों के कल्याण के लिए समर्पित एक बचाव केंद्र है, जो दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए जानवरों को अभयारण्य, पुनर्वास और चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वनतारा नामक एक अनूठी वन्यजीव संरक्षण, बचाव और पुनर्वास पहल का उद्घाटन किया, जो पारिस्थितिकी स्थिरता और वन्यजीव कल्याण को बढ़ावा देते हुए जीव-जन्तुओं के लिए एक सुरक्षित पर्यावास प्रदान करती है।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस अत्यंत सहानुभूतिशील प्रयास के लिए अनंत अंबानी और उनकी पूरी टीम की सराहना करता हूं। वनतारा जैसा प्रयास वाकई सराहनीय है, यह हमारे सदियों पुराने लोकाचार का जीवंत उदाहरण है कि हम उन जीव-जन्तुओं की भी रक्षा करते हैं, जो इस पृथ्वी पर हमारे साथ रहते हैं।'' मोदी ने कहा कि वनतारा में उन्होंने एक हाथी को देखा, जो तेजाब हमले का शिकार हुआ था। उन्होंने कहा, ''हाथी का बेहद सावधानी से इलाज किया जा रहा था। अन्य हाथी भी थे, जिन्हें अंधा कर दिया गया था और वह भी, विडंबना यह है कि उनके महावत द्वारा। एक अन्य हाथी को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। यह एक महत्वपूर्ण सवाल को रेखांकित करता है कि लोग इतने लापरवाह और क्रूर कैसे हो सकते हैं?'' उन्होंने कहा, ''आइए हम इस तरह की गैरजिम्मेदारी को खत्म करें और जानवरों के प्रति दया पर ध्यान दें।''

प्रधानमंत्री मोदी ने बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की और भारत में एक आर्थिक मिशन का नेतृत्व करने की उनकी पहल की सराहना की। राजकुमारी एस्ट्रिड भारत में एक आर्थिक मिशन का नेतृत्व कर रही हैं, जिसमें शीर्ष मंत्री और कारोबारी दिग्गज शामिल हैं। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मिलकर खुशी हुई। भारत में 300 सदस्यीय आर्थिक मिशन का नेतृत्व करने की उनकी पहल की सराहना करता हूं। व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृषि, जीव विज्ञान, नवोन्मेष, कौशल और शैक्षिक आदान-प्रदान में नई साझेदारियों के माध्यम से हमारे लोगों के लिए असीम अवसरों को खोलने के लिए तत्पर हैं।''

दिल्ली की मुख्यमंत्री गुप्ता ने आप के स्वास्थ्य मॉडल की आलोचना की, 'शून्य' बताया

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के स्वास्थ्य मॉडल पर निशाना साधते हुए इसे 'शून्य' बताया और आप के कार्यकाल के दौरान सरकारी अस्पतालों में बड़े पैमाने पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया। गुप्ता ने गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के दौरे के दौरान दावा किया कि यह अस्पताल अप्रयुक्त चिकित्सा उपकरणों और अधूरे अस्पताल के बुनियादी ढांचे के साथ ''डंपिंग ग्राउंड'' में बदल गया है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''कोविड-19 महामारी के बाद से यहां का गोदाम पूरी तरह भर गया है। आज भी 458 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 146 वेंटिलेटर, 36000 पीपीई किट, मल्टीपैरा मॉनिटर, मास्क और अन्य चिकित्सा आपूर्ति बेकार पड़ी हैं। यह सिर्फ जीटीबी अस्पताल का ही नहीं, बल्कि दिल्ली

भर के कई अस्पतालों का मामला है।'' उन्होंने दावा किया कि अस्पताल की इमारतों का निर्माण उचित योजना के बिना किया गया, जिससे फिजूलखर्ची हुई। गुप्ता ने कहा, ''आप सरकार ने अस्पतालों के अंदर सात ढांचे बनाए, पार्किंग स्थल और खेल मैदानों को इमारतों में बदल दिया जो चिकित्सा सुविधा के मापदंडों को पूरा नहीं करते। ये तथाकथित 'अर्ध-स्थायी ढांचे' केवल 60 प्रतिशत ही पूरे हुए हैं और अगर इन पर 2,500 करोड़ रुपये और खर्च किए जाएं तो भी इनका कोई उपयोग नहीं होगा।'' मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल के कर्मचारियों को छह महीने से वेतन नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा, ''दिल्ली के अस्पतालों की स्वास्थ्य एवं प्रबंधन प्रणाली खुद बीमार है। ऐसी स्थिति में अस्पताल कैसे काम करेंगे।'' गुप्ता ने पूर्ववर्ती आप सरकार पर शासन में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा, ''आप का स्वास्थ्य और शिक्षा मॉडल शून्य के अलावा कुछ नहीं है। उनका शासन वास्तविक काम के लिए नहीं बल्कि प्रचार के बारे में है।'' गुप्ता ने सोमवार को आप के शासनकाल के दौरान राजधानी में सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट को लेकर आप पर निशाना साधा था और इसे ''व्यापक भ्रष्टाचार का पर्दाफाश'' बताया था।

आईआईएमसी को विश्वस्तरीय मीडिया विश्वविद्यालय बनाया जाएगा: अश्विनी वैष्णव

नयी दिल्ली : सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि सरकार भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) को सर्वोत्तम सुविधाओं और वैश्विक संस्थानों के साथ साझेदारी के साथ विश्व स्तरीय मीडिया विश्वविद्यालय में बदलने की योजना बना रही है। आईआईएमसी के 56वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि मीडिया उद्योग बड़े पैमाने पर बदलाव के दौर से गुजर रहा है और छात्रों को अपनी क्षमता साबित करने के लिए नए अवसर पैदा किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''नए अवसर पैदा हो रहे हैं। पहले काम की संभावनाएं सीमित थीं। आज संभावनाएं असीमित हैं।

आप 400 छात्र हैं, आप 400 नए चैनल या 400 नए उद्यम शुरू कर सकते हैं। अवसरों का दायरा इतना बड़ा है।'' उन्होंने छात्रों से बदलते परिवेश के अनुकूल ढलने और कॉलेज से बाहर निकलते ही बड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। वैष्णव ने 2023-24 बैच के नौ विभिन्न पाठ्यक्रमों के 400 से अधिक छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्रदान किए। समारोह के दौरान आईआईएमसी-नयी दिल्ली और इसके पांच क्षेत्रीय परिसरों - ढेंकनाल, आइजोल, अमरावती, कोट्टायम और जम्मू के छात्रों को उनके डिप्लोमा प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, 36 उत्कृष्ट छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के सम्मान में पदक और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पिछले वर्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से 'मानद् विश्वविद्यालय' का दर्जा मिलने के बाद यह आईआईएमसी का पहला दीक्षांत समारोह था।

महाराष्ट्र में 2024 तक 4,249.90 करोड़ रुपये मूल्य का नशीला पदार्थ बरामद : फडणवीस

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि राज्य में वर्ष 2024 में 4,249.90 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किये गये हैं और प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन करने के आरोप में 14,230 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। महाराष्ट्र के गृह मंत्री फडणवीस ने सदन में एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि मादक पदार्थ रखने और इसकी तस्करी के लिए 2,738 मामले दर्ज किए गए और 3,627 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि 2024 में राज्य में 4,249.90 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये गये है। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत दर्ज

15,873 मामलों में 14,230 लोगों को प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सरकार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा पुणे में 3,679.36 करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया गया है और यहां ही सबसे ज्यादा इनकी तस्करी की जाती है। पुणे में कम से कम 204 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 129 मामले दर्ज किये गये।

भारत ही एकमात्र ध्रुव तारा जो विश्व में सामाजिक, सांस्कृतिक परिवर्तनों को सही दिशा दे सकता है: भागवत

भोपाल : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत ही एकमात्र ध्रुव तारा है जो विश्व में हो रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तनों को सही दिशा दे सकता है। उन्होंने ऐसे समाज के निर्माण का आह्वान भी किया जो केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित न हो, बल्कि मानवता, करुणा और सत्य जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित हो। भागवत यहां शारदा विहार स्थित सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय में आरएसएस की शैक्षणिक शाखा विद्या भारती शिक्षा संस्थान के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के पांच दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन के अवसर पर

बोल रहे थे। एक विज्ञप्ति में भागवत के हवाले से कहा गया, ''विश्व में हो रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तनों को भारत की सनातन परंपरा के आलोक में दिशा देने की जरूरत है और आज जब वैश्विक परिदृश्य में कई विकृतियां उभर रही हैं, तो भारत ही एकमात्र ध्रुव तारा है जो सही दिशा दे सकता है।'' उन्होंने कहा, ''इसके लिए समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए भारतीय परंपराओं पर आधारित शिक्षा, संस्कृति और नीति-निर्माण को बढ़ावा देना आवश्यक है।'' भागवत ने समाज में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''हमें केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मानवता, करुणा और सत्य जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित समाज का निर्माण करना चाहिए।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आने वाले समय में भारत को एक आदर्श सामाजिक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना होगा, जो पूरे विश्व को शांति और सद्भाव की ओर ले जाने में सक्षम हो। विद्या भारती की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किए जा रहे कार्यों को वैश्विक स्तर पर देखा जा रहा है और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी इसकी व्यापकता को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, ''इससे यह साबित होता है कि संघ और उसके सहयोगी संगठनों का काम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैश्विक महत्व भी है।'' आरएसएस प्रमुख ने सभी कार्यकर्ताओं से अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर काम करने का आह्वान भी किया।

विभागीय परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक करने पर रेलवे के 26 अधिकारी गिरफ्तार, परीक्षा रद्द

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने विभागीय परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) में कार्यरत विद्युत विभाग के एक वरिष्ठ मंडल अभियंता सहित 26 रेलवे अधिकारियों को गिरफ्तार करने के साथ छापेमारी के दौरान 1.17 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं। एजेंसी ने कहा कि मुगलसराय में मुख्य लोको पायलट के पदों पर पदोन्नति के लिए परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में रेलवे अधिकारियों को सोमवार रात गिरफ्तार किया गया था। परीक्षा मंगलवार को आयोजित की जानी थी। एजेंसी के सूत्रों ने कहा कि परीक्षा अब रद्द कर दी गई है। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बताया, ''मुगलसराय में तीन स्थानों पर (तीन-चार मार्च की मध्य रात्रि) सीबीआई द्वारा की गई जांच के दौरान कुल 17 अभ्यर्थियों के पास हाथ से लिखे प्रश्नपत्रों की छाया प्रति मिली।'' उन्होंने बताया कि वर्तमान में लोको पायलट के रूप में काम कर रहे सभी 17 विभागीय अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र के लिए कथित तौर पर पैसे दिए थे और छापेमारी के दौरान उन्हें प्रतियों के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''कुल मिलाकर इस मामले में अब तक 26 रेलवे अधिकारियों (17 अभ्यर्थियों सहित) को गिरफ्तार किया गया है।'' एजेंसी ने विद्युत विभाग के एक वरिष्ठ मंडल अभियंता (संचालन) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है जिसे उक्त परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

वन मामला: उच्चतम न्यायालय ने राज्यों से एक महीने में विशेषज्ञ समिति गठित करने के लिए कहा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे एक महीने के भीतर वन जैसे क्षेत्रों, अवर्गीकृत और सामुदायिक वन भूमि सहित विभिन्न भूमि का समेकित रिकॉर्ड तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन करें। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ समिति वन (संरक्षण एवं संवर्धन) नियम, 2023 के नियम 16 (1) के तहत आवश्यक कार्य छह महीने के भीतर पूरा करेगी। पीठ ने कहा कि नियम 16 (1) के तहत सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेषज्ञ समिति द्वारा पहचाने गए वन जैसे क्षेत्रों, अवर्गीकृत वन भूमि और सामुदायिक वन भूमि सहित ऐसी भूमि का समेकित रिकॉर्ड तैयार करने की आवश्यकता है, जिस पर 2023 के वन संरक्षण कानून के प्रावधान लागू होंगे। इसने 2023 के वन संरक्षण कानून में संशोधन के खिलाफ याचिकाओं के एक खेप पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। पीठ ने कहा कि एक बार नियम 16 (1) के तहत की जाने वाली कवायद के पूरा हो जाने के बाद कई मुद्दों का समाधान हो जाएगा। पीठ ने कहा कि केंद्र राज्यवार स्थिति को समेकित करेगा और उसे अदालत के समक्ष रखेगा। इसने कहा कि शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार (न्यायिक) उसके आदेश के बारे में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों को भी सूचित करेंगे। पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा निर्देशों का अक्षरशः पालन नहीं किया जाता है, तो वह मुख्य सचिवों और प्रशासकों को चूक के लिए जिम्मेदार ठहराएगी और उचित कदम उठाने पर विचार करेगी।

अयोध्या सनातन धर्म, सिख धर्म का 'संगम स्थल' : केंद्रीय मंत्री पुरी

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन किए और ऐतिहासिक गुरुद्वारे में मत्था टेका। उन्होंने पवित्र शहर को सनातन धर्म और सिख धर्म का संगम स्थल बताया। पेट्रोलियम मंत्री ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या की अपनी यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसमें उन्होंने मंदिर शहर के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में कहा कि अयोध्याधाम, सनातन धर्म और सिख धर्म की पवित्र संगम भूमि है और इसे प्रभु श्री राम और तीन सिख गुरु साहिबों का आशीर्वाद प्राप्त है। उनके मुताबिक, सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी महाराज 1510-11 में, नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर जी 1668 में और गुरु गोबिंद सिंह जी 1672 में अयोध्या आए थे। उन्होंने कहा, मुझे अयोध्याधाम के ब्रह्मकुंड में सरयू नदी के किनारे ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने और आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पुरी ने कहा कि पवित्र धाम में स्थित गुरुद्वारे आस्था के संगम, मध्यकालीन समय से सिख और हिंदू धर्म के बीच मजबूत संबंधों तथा आक्रमणकारियों से लड़ने के लिए दोनों धर्मों के एक-दूसरे के साथ खड़े रहने के परिचायक हैं।

तमिलनाडु: परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे स्टालिन

चेन्नई : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए बुधवार को यहां एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। संभावना है कि इस बैठक में वह केंद्र को घेर सकते हैं। शिक्षा निधि जारी न करने सहित कई मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार के साथ राज्य की द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार का टकराव देखने को मिलता रहा है। प्रस्तावित परिसीमन राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच टकराव का नया मुद्दा बन गया है।

भारत के सुरक्षा तंत्र को उभरते खतरों से निपटने में सक्षम बने रहना चाहिए: राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत के सुरक्षा तंत्र को साइबर और 'हाइब्रिड' युद्ध के साथ-साथ ''अंतरिक्ष आधारित जासूसी'' जैसे उभरते खतरों से निपटने में सक्षम बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा का अभिप्राय केवल आतंकवाद, अलगाववादी आंदोलन और वामपंथी उग्रवाद जैसे पारंपरिक खतरों से निपटना नहीं है, बल्कि इसका मतलब उन गैर पारंपरिक खतरों से निपटने की तैयारी करना भी है जो देश के आर्थिक और सामरिक हितों को अस्थिर कर सकते हैं। सिंह ने कहा, ''आज के शत्रु हमेशा पारंपरिक हथियारों के साथ नहीं आते हैं; साइबर हमले, गलत सूचना अभियान और अंतरिक्ष आधारित जासूसी नए युग के खतरों के रूप में उभर रहे हैं जिनके लिए

उन्नत समाधान की आवश्यकता है।'' रक्षा मंत्री सिंह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और गृह मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से ''आंतरिक सुरक्षा और आपदा राहत कार्यों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी'' पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने अपने संबोधन में वैश्विक सुरक्षा में बढ़ती जटिलताओं तथा आंतरिक और बाह्य खतरों के बीच बढ़ते हुए अंतर संबंध को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''आधुनिक विश्व में सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं तथा आंतरिक और बाह्य सुरक्षा के बीच अंतरसंबंध बढ़ रहा है।'' सिंह ने कहा, ''यह जरूरी है कि हमारी संस्थाएं बंदिशों को तोड़कर एक मजबूत, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को समग्र रूप से देखा जाना चाहिए, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों को एकीकृत करना चाहिए तथा नवीनतम तकनीकी प्रगति का लाभ उठाना चाहिए। सिंह ने कहा, ''डीआरडीओ ने भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है और आंतरिक सुरक्षा में इसका योगदान भी उतना ही सराहनीय है।''उन्होंने कहा, ''छोटे हथियारों और बुलेटप्रूफ जैकेट से लेकर निगरानी और संचार प्रणालियों तक, डीआरडीओ के नवाचार हमारे सुरक्षा बलों को सशक्त बना रहे हैं।'' सिंह ने डीआरडीओ और गृह मंत्रालय से आह्वान किया कि वे मिलकर ऐसे उत्पादों की एक साझा सूची बनाएं जिन्हें समयबद्ध तरीके से संयुक्त रूप से विकसित और तैनात किया जा सके। उन्होंने कहा, ''हमारे सुरक्षा बलों को आगे रहने के लिए सर्वोत्तम उपकरणों और प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता है।'' रक्षामंत्री ने कहा, ''डीआरडीओ का आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना उत्साहजनक है, जिसमें छोटे हथियार, निगरानी उपकरण और ड्रोन प्रणाली जैसे उत्पाद आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों में तैनाती के लिए या तो शामिल किए जा चुके हैं या उनका आकलन किया जा रहा है।'' सिंह ने गृह मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए बताया कि किस प्रकार सुरक्षा एजेंसियों और वैज्ञानिक संस्थानों के बीच सहयोग से महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति हुई।

न्यायालय ने दोषी की मौत की सजा को उम्रकैद में बदला

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने अपने नाबालिग बच्चों की हत्या करने वाले एक व्यक्ति की मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने 13 फरवरी को मृत्युदंड के खिलाफ रमेश ए नायका की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए उसकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा और कहा, ''अपीलकर्ता-दोषी की हत्याओं के लिए दोषसिद्धि बरकरार रखी जाती है, लेकिन अब उसे बिना किसी छूट के, जेल की चाहरदीवारी में अपने प्राकृतिक अंत की प्रतीक्षा करनी होगी।'' शीर्ष अदालत ने पाया कि पूर्व बैंक प्रबंधक नायका का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है।

लालू ने अदालत में उनपर मुकदमा चलाने की मंजूरी की वैधता पर सवाल उठाया

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) में कथित अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में उन पर मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को प्राप्त मंजूरी की वैधता पर सवाल उठाया। पूर्व रेल मंत्री ने मामले में उनके खिलाफ आरोप तय करने के बारे में बहस के दौरान विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष अपने वकील के माध्यम से यह दलील दी। इन आरोपों में आपराधिक षडयंत्र, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार शामिल हैं, जिनके लिए अधिकतम सात वर्ष की जेल की सजा का प्रावधान है। इस बीच, न्यायाधीश ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बेटे एवं राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की याचिका पर उन्हें मंगलवार के लिए व्यक्तिगत रूप से पेशी से छूट दे दी। न्यायाधीश ने कहा, '' आरोपी संख्या1 (यादव), आरोपी संख्या-2 (राबड़ी देवी), आरोपी संख्या-3 (तेजस्वी यादव) की ओर से व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट का अनुरोध करते हुए अलग-अलग आवेदन दायर किए गए हैं... सुनवाई हुई। आवेदन में दी गई दलीलों के मद्देनजर, उपरोक्त आरोपी व्यक्तियों को केवल आज के लिए व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दी गई है।'' उन्होंने कहा, ''आरोपी संख्या-1 की ओर से आरोप के पहलू पर आंशिक दलीलें सुनी गई हैं... आरोपी संख्या 1 से 4 की ओर से पहले से तय तारीख यानी पांच मार्च, 2024 को दलीलें पेश की जाएंगी।''

भारत चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में

ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया

दुबई: भारतीय टीम ने गेंदबाजों के बाद विराट कोहली की अगुआई में बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में चार विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल में पहुंची है। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था और 49.3 ओवर में 264 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली एक बार फिर चेज मास्टर साबित हुए और उन्होंने 98 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 84 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने 48.1 ओवर में छह विकेट पर 267 रन बनाकर मैच जीता।

आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा सेमीफाइनल जीतने वाली टीम बना भारत

भारतीय टीम ने संयुक्त रूप से चैंपियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मैच का सबसे सफल लक्ष्य हासिल कर लिया है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 2000 में इस टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच में 265 रनों का लक्ष्य प्राप्त किया था। वहीं, भारत ने 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ इतने ही रनों का लक्ष्य चेज किया था। भारत इसके साथ ही आईसीसी के वनडे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा सेमीफाइनल जीतने वाली टीम बन गया है। भारत ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया की बराबरी कर ली है। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने 14 सेमीफाइनल मैचों में से नौ बार जीत दर्ज की है।

चेज करते हुए फिर चमके कोहली

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 43 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कोहली ने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की और भारत को संभाला। श्रेयस हालांकि अर्धशतक लगाने से चूक गए और 62 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस के आउट होने के बावजूद कोहली क्रीज पर डटे रहे और भारत को जीत के करीब लेकर गए। कोहली इसके साथ ही आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में सर्वाधिक बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

उन्होंने 24वीं बार 50+ स्कोर बनाया। कोहली ने इसके साथ ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। सचिन ने 58 पारियों में 23 से ज्यादा बार 50+ रन बनाए थे। वहीं, कोहली ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली। वह लक्ष्य का पीछा करते हुए वनडे में 8000 से ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इसी के साथ वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के क्लब में शामिल हो गए।

शतक से चूके विराट

कोहली शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एडम जैम्पा की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। कोहली के आउट होने के बाद केएल राहुल और हार्दिक पांड्या ने मोर्चा संभाला। हार्दिक ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और भारत के जीत के बेहद करीब ले आए। जब टीम को जीत के लिए छह रन बनाने की जरूरत थी, तभी हार्दिक बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में आउट हो गए।

राहुल ने छक्का लगाकर दिलाई जीत

हार्दिक ने 24 गेंदों पर एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक के आउट होने के बाद केएल राहुल ने मैक्सवेल की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। भारत इसके साथ ही लगातार दूसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा है। इससे पहले टीम 2017 में भी चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रही थी। राहुल 34 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि जडेजा भी दो रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस और एडम जैम्पा ने दो-दो विकेट झटके, जबकि बेन ड्वारशुइस और कूपर कोनोली को एक-एक विकेट मिला।

अंतिम ओवरों में भारतीय गेंदबाज विकेट निकालने में सफल रहे। जब कैरी खेल रहे थे तो लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया 300 के करीब स्कोर खड़ा कर लेगा, लेकिन भारतीय गेंदबाज वापसी करने में सफल रहे। ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी। भारत की ओर से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि वरुण चक्रवर्ती और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। वहीं, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल को एक-एक सफलता मिली।

न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में बड़े टूर्नामेंटों की असफलता को पीछे छोड़ना चाहेंगे

लाहौर: विश्व स्तरीय प्रतिभाओं से भरपूर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका बुधवार को यहां चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगे तो उनकी कोशिश वैश्विक प्रतियोगिताओं के अहम मैचों कमतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के तमगे को पीछे छोड़ने की होगी। कागजों पर दोनों टीमें बराबरी की दिख रही है। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने क्रमश: 1998 और 2000 में एक-एक बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती है, लेकिन उस समय इस टूर्नामेंट को आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी कहा जाता था और इसका वह महत्व नहीं था जो अब है। दक्षिण अफ्रीका जहां बड़े टूर्नामेंट के 'चोकर्स (मुख्य मुकाबलों में हार का सामना करने वाली टीम)' के अपने तमगे को हटाना चाहेगा, वही न्यूजीलैंड की टीम भी खिताब पर अपना कब्जा जमाने के लिए बेताब होगी। न्यूजीलैंड वनडे विश्व कप (2015 और 2019) में दो बार और टी20 विश्व कप (2021) में एक फाइनल में पहुंचने के बाद खिताब जीतने से चूक गया। मिशेल सेंटनर की अगुआई में न्यूजीलैंड ग्रुप ए में भारत से बाद दूसरे पर रहा, जबकि दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया से आगे शीर्ष पर रहा।दोनों टीमों के बीच कोई ज्यादा अंतर नहीं है और ज्यादातर विभागों में बराबरी की स्थिति में हैं। गेंदबाजी में विविधता के कारण दक्षिण अफ्रीका के पास हालांकि मामूली बढ़त दिख रही हैं। दोनों टीमों के बल्लेबाजी क्रम में पर्याप्त ताकत है और उनके पास बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी हैं। मैच का परिणाम में स्पिनरों की भूमिका अहम रहने अनुमान है। गद्दाफी स्टेडियम की पिच थोड़ी धीमी हैं, लेकिन दुबई की तुलना में वे उतनी स्पिन नहीं करती हैं । ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों टीमों के स्पिनर कैसा प्रदर्शन करते हैं। अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारत से 44 रन से हारने के बावजूद, न्यूजीलैंड पिछले महीने यहां त्रिकोणीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका पर अपनी जीत से आत्मविश्वास हासिल करेगा।

विलियमसन हमारे लिये कांटा है, उसे रोकने की रणनीति बनाई है : दक्षिण अफ्रीकी कप्तान बावुमा

लाहौर: दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने मंगलवार को कहा कि केन विलियमसन उनकी टीम की राह में कांटा है और चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के इस दिग्गज बल्लेबाज को रोकने के लिये उनकी टीम ने रणनीति बनाई है। विलियमसन ने भारत के खिलाफ आखिरी लीग मैच में 81 रन बनाये थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले दो वनडे में वह शतक जमा चुके हैं। बावुमा ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,' विलियमसन हमारे लिये कांटा है लेकिन हमने उसके लिये रणनीति बनाई है। हमें उसे रोकना ही होगा।' उन्होंने कहा ,' न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान में सारे मैच जीते हैं और टीम काफी संतुलित है। मुझे नहीं लगता कि भारत से मिली हार से उनके आत्मविश्वास पर कोई असर पड़ा होगा।'

क्रिकेट में आकार नहीं, मानसिक शक्ति मायने रखती है: रोहित के समर्थन में गावस्कर ने कहा

दुबई: भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने मंगलवार को कहा कि दुबले-पतले लड़के मॉडलिंग के लिए होते हैं और क्रिकेट में शारीरिक आकार नहीं, बल्कि मानसिक ताकत मायने रखती है।भारतीय कप्तान पर चैंपियंस ट्रॉफी के बीच में एक राजनेता द्वारा की गई अनावश्यक आलोचना पर टिप्पणी करते हुए गावस्कर ने याद दिलाया कि मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को भी बॉडी शेमिंग (शरीर को लेकर आलोचना) का सामना करना पड़ा था लेकिन इससे उनके प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, ' मैंने हमेशा कहा है कि अगर आपको सिर्फ दुबले-पतले लड़के चाहिए, तो आपको मॉडलिंग प्रतियोगिता में जाना चाहिए और सभी मॉडलों को चुनना चाहिए। यह उससे संबंधित नहीं है।' भारत के इस पूर्व महान बल्लेबाज ने कहा, 'यह इस बारे में है कि आप क्रिकेट कितनी अच्छी तरह खेल सकते हैं। हमने सरफराज खान के बारे में बात की, उन्हें लंबे समय तक बदनाम किया गया क्योंकि उनका वजन ज्यादा है। लेकिन वह टेस्ट मैच में भारत के लिए 150 रन बनाते हैं और इसके बाद दो या तीन बार पचास से अधिक रन बनाते हैं, तो इसमें क्या समस्या है?' उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आकार का इससे कोई लेना-देना है। यह आपकी मानसिक शक्ति के बारे में है कि क्या आप लंबे समय तक टिक सकते हैं? यही सबसे महत्वपूर्ण है। अच्छी बल्लेबाजी करें, लंबे समय तक बल्लेबाजी करें और रन बनाएं।' कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा था, 'रोहित खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं।'उन्होंने यह भी कहा था, 'वह भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान है।' अपनी इस अनुचित टिप्पणी के बाद शमा को सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा और उन्हें 'एक्स' से अपनी पोस्ट हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

बाबर, रिजवान की पाकिस्तान टी20 टीम से छुट्टी

लाहौर: कप्तान मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम को न्यूजीलैंड में होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित पाकिस्तान की टीम से बाहर कर दिया गया। रिजवान की जगह सलमान अली आगा को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया जबकि हरफनमौला शादाब खान की टीम में वापसी हुई है। शादाब को उप-कप्तान बनाया गया। रिजवान को हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन बावजूद वनडे टीम का कप्तान बनाए रखा गया है। चयनकर्ताओं ने वनडे टीम में ज्यादा बदलाव नहीं किये है। और चैंपियंस ट्रॉफी में नाकाम रहे खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा है। बाबर को भी एकदिवसीय टीम में बरकरार रखा गया है, लेकिन बल्लेबाज सऊद शकील और कामरान गुलाम को बाहर कर दिया।

हम बेखौफ क्रिकेट खेलेंगे : पाकिस्तान के नये टी20 कप्तान आगा

लाहौर: पाकिस्तान के नये टी20 कप्तान सलमान अली आगा ने मंगलवार को वादा किया कि उनकी टीम आगामी टूर्नामेंटों में बेखौफ क्रिकेट खेलेगी। न्यूजीलैंड के 16 मार्च से शुरू हो रहे पांच मैचों के टी20 दौरे के लिये कप्तान चुने गए आगा ने कहा कि चयनकर्ताओं ने नये चेहरों को मौका दिया है क्योंकि निर्भय होकर खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा ,'पाकिस्तान का कप्तान बनकर मैं गौरवान्वित हूं लेकिन मेरे लिये यह चुनौती भी है। हमने टीम में युवाओं को चुना है। मेरा काम खिलाड़ियों को बेखौफ और जोखिमभरा क्रिकेट खेलने के लिये तैयार करना है।' आगा ने कहा ,'हमें नाकामी भी मिलेगी लेकिन हमें इन खिलाड़ियों का समर्थन करना है। उन्हें बेखौफ होकर खेलने को कहा जायेगा।

भारत दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नयी दिल्ली: भारत दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी 29 से 31 मार्च तक यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में करेगा जिसमें कुल 16 देश भाग लेंगे।खेल मंत्रालय और योगासन भारत के सहयोग से आयोजित की जा रही इस चैंपियनशिप का उद्देश्य यो-गासन की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक महत्व को अपनाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रदर्शन करना है। एशियाई ओलंपिक परिषद, विश्व योगासन, एशियाई योगासन और योगासन इंद्रप्रस्थ द्वारा समर्थित यह कार्यक्रम योगासन को ओलंपिक में शामिल करने की दिशा में खाका तैयार करने में मदद करेगा।खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'योग की जन्मभूमि भारत को दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त है। यह आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है। यह हमारे प्राचीन ज्ञान का उत्सव है जो आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में विकसित हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'हम योगासन को वैश्विक खेल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह चैंपियनशिप उस लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। हम इस आयोजन के माध्यम से योगासन की उपयोगिता खेल के संदर्भ में समझ सकेंगे। योगासन में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जीवन को बदलने की शक्ति भी है।''एशियाई योगासन के अध्यक्ष संजय मालपानी ने चैंपियनशिप के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, 'योगासन चैंपियनशिप योगासन को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल के रूप में स्थापित करने के हमारे मिशन में एक निर्णायक क्षण है। हम इसमें आधुनिक एथलेटिक उत्कृष्टता के साथ परंपरा के मिश्रण को देख रहे हैं।'

भारतीय खिलाड़ियों ने चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच में काली पट्टी बांधकर शिवालकर को श्रद्धांजलि दी

दुबई: भारतीय टीम के खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट के दिग्गज पद्माकर शिवालकर की याद और सम्मान में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल के दौरान मंगलवार को यहां बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान में उतरे। शिवालकर का उम्र संबंधी बीमारी के कारण सोमवार को निधन हो गया था। उन्होंने 84 साल की उम्र में मुंबई में अंतिम सांस ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 'एक्स' पर लिखा, 'स्वर्गीय पद्माकर शिवालकर के सम्मान में भारतीय टीम आज काली पट्टी बांधकर खेल रही है।' शिवालकर उन बेहतरीन स्पिनरों में से एक थे जिन्हें भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह बिशन सिंह बेदी जैसे महान खिलाड़ियों के युग में खेले थे।

विज्ञापन युद्ध: कोका-कोला के 'हाफ टाइम' के जवाब में पेप्सिको का 'एनी टाइम'

नयी दिल्ली: पेय पदार्थ बनाने वाली प्रमुख कंपनियों कोका-कोला और पेप्सिको के बीच रचनात्मकता के साथ विज्ञापन युद्ध फिर शुरू हो गया है। इस बार प्रतिद्वंद्वी कोका-कोला के 'हाफ टाइम' विज्ञापन के जवाब में पेप्सिको ने 'एनी टाइम' का अभियान शुरू किया है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए प्रतिद्वंद्वी कोका-कोला के 'हाफ टाइम' अभियान का जवाब देते हुए, पेप्सिको ने उपभोक्ताओं का ध्यान खींचने की कोशिश की है। इसके तहत कोका- कोला के विज्ञापन के जवाब में कंपनी ने 'एनी टाइम' अभियान की शुरुआत करते हुए अखबार में एक पूरे पेज का विज्ञापन जारी किया है। एक महीने पहले टीवी और डिजिटल मंच पर शुरू किए गए अपने 'हाफ टाइम' अभियान में, कोका-कोला ने विराम के समय ठंडे शीतल पेय के साथ तरोताजा होने का संदेश दिया था। हालांकि, पेप्सिको ने 'एनी टाइम' टैग लाइन के साथ ग्रीष्मकालीन अभियान की शुरुआत की है। इसके जरिये संदेश दिया गया है कि किसी विशेष क्षण का इंतजार क्यों करें जब हाथ में पेप्सी के साथ हर पल बेहतर होता है। पेप्सी ने अपने नवीनतम विज्ञापन में पेय का आनंद लेने के लिए जीवन के सर्वोत्तम क्षणों को सूचीबद्ध किया है... पहली बार, प्यास का समय, दिन का समय, खेलने का समय, कक्षा का समय, पास का समय, संकट का समय, दोपहर के भोजन का समय, ठंड का समय, एक और समय, रात्रिभोज का समय, विजेता का समय, हमारा समय, मेरा समय। इस विज्ञापन ने विज्ञापनों के रचानात्मक दौर के पुराने दिनों को वापस ला दिया है।

सेबी की कुल आय 2023-24 में 48 प्रतिशत बढ़कर 2,075 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: पूंजी बाजार नियामक सेबी की कुल आय वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़कर 2,075 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। शुल्क और सदस्यता से आय बढ़ने से कुल आमदनी बढ़ी है। सेबी के मंगलवार को सार्वजनिक किए गए वर्ष 2023-24 के वार्षिक खातों के विवरण के अनुसार, कुल आय में से, नियामक ने 1,851.5 करोड़ रुपये की शुल्क आय अर्जित की, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में अर्जित 1,213.22 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। इसके अतिरिक्त, निवेश से होने वाली आय 161.42 करोड़ रुपये से बढ़कर 192.41 करोड़ रुपये हो गई और अन्य आय 15 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 18 करोड़ रुपये हो गई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने माना कि शुल्क और सदस्यता इसकी आय के प्रमुख स्रोत हैं। आय की इस श्रेणी में वार्षिक शुल्क और सदस्यता से होने वाली आय, स्टॉक एक्सचेंजों से सूचीबद्धता शुल्क का योगदान, कंपनियों और बाजार अवसंरचना संस्थानों द्वारा दाखिल पंजीकरण, नवीनीकरण, आवेदन और प्रस्ताव दस्तावेजों से होने वाली आय शामिल है।

सरकार नियामकीय बोझ कम करने, देश को निर्यात अनुकूल बनाने के लिए उठा रही कदम: सीतारमण

नयी दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकार नियामकीय बोझ को कम करने के साथ राज-काज के स्तर पर भरोसा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और भारत को निर्यात अनुकूल अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कदम उठा रही है। सीतारमण ने 'वृद्धि के इंजन के रूप में एमएसएमई, विनिर्माण, निर्यात, नियामकीय, निवेश और कारोबार सुगमता के लिए सुधार' विषय पर बजट के बाद वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि अनावश्यक नियामकीय बाधाओं से मुक्त एक मजबूत विनिर्माण क्षेत्र घरेलू और विदेशी दोनों निवेश को आकर्षित करेगा, आर्थिक वृद्धि को गति देगा और भारत को एक भरोसेमंद वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगा। सीतारमण ने कहा, ''हमारी सरकार कारोबार सुगमता में सुधार के लिए नियामकीय बोझ को कम करने और राज-काज में भरोसा बढ़ाने के लिए दृढ़ है। बजट घोषणाओं के माध्यम से, हम भारत को एक निर्बाध, निर्यात-अनुकूल अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में विभिन्न कदम उठा रहे हैं, जिसमें कंपनियां कागजी कार्रवाई और दंड के बजाय नवोन्मेष और विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होंगी।' इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग जगत से ऐसे समय में वैश्विक अवसरों का लाभ लेने के लिए 'बड़े कदम' उठाने का आह्वान किया, जब दुनिया भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि हमारा उद्योग जगत दुनिया की इन अपेक्षाओं को सिर्फ दर्शक बनकर न देखे। हम दर्शक बनकर नहीं रह सकते, आपको इसमें अपनी भूमिका तलाशनी होगी, आपको अपने लिए अवसर तलाशने होंगे। मोदी ने वेबिनार को संबोधित करते हुए भारतीय उद्योग से वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने के लिए 'बड़े कदम' उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में देख रही है, जो गुणवत्तापूर्ण सामान का उत्पादन कर सकता है। सीतारमण ने 2025-26 के अपने बजट भाषण में सभी गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों, प्रमाणपत्रों, लाइसेंसों और अनुमतियों की समीक्षा के लिए नियामकीय सुधारों को लेकर एक उच्चस्-तरीय समिति स्थापित करने का प्रस्ताव किया था। उन्होंने बजट भाषण में कहा था, 'उम्मीद है कि समिति एक साल के भीतर सिफारिशें देगी। इसका उद्देश्य विश्वास-आधारित आर्थिक संचालन व्यवस्था को मजबूत करना और 'कारोबार सुगमता' को बढ़ाने के लिए खासकर निरीक्षण और अनुपालन के मामलों में, परिवर्तनकारी उपाय करना है।'

व्यापार युद्ध की चिंता के बीच सोना 1,100 रुपये चढ़ा, चांदी में 1,500 रुपये का उछाल

नयी दिल्ली: आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की लिवाली बढ़ने तथा मजबूत वैश्विक रुख के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 1,100 रुपये बढ़कर 89,000 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,100 रुपये बढ़कर 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,100 रुपये बढ़कर 88,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 87,500 रुपये प्रति 10 ग्राम था। कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मंगलवार से कनाडा, मेक्सिको और चीन पर शुल्क की पुष्टि के

रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ 87.19 प्रति डॉलर पर

मुंबई: कमजोर डॉलर सूचकांक तथा कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपये के आरंभिक नुकसान की भरपाई हो गयी और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे मजबूत होकर 87.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख और विदेशी पूंजी की सतत निकासी के कारण रुपये की तेजी पर कुछ अंकुश लग गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। रुपया 87.38 पर खुला और कारोबार के दौरान 87.40 प्रति डॉलर के निचले स्तर को छूने के बाद कारोबार के अंत में 87.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त है।

व्यापार युद्ध की चिंता के बीच सेंसेक्स 73,000 अंक से नीचे फिसला, निफ्टी में लगातार दसवें दिन गिरावट

मुंबई: मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में नुकसान में रहा और यह 96 अंक की गिरावट के साथ 73,000 अंक के नीचे बंद हुआ। शुल्क युद्ध को लेकर चिंता गहराने और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के बीच वैश्विक बाजारों में गिरावट का असर स्थानीय बाजार पर भी पड़ा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 96.01 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,989.93 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 452.4 अंक तक लुढ़क गया था। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से 18 नुकसान में, जबकि 12 लाभ में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मानक सूचकांक निफ्टी में लगातार 10वें कारोबारी सत्र में गिरावट रही और यह 36.65 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,082.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 22,000 अंक के नीचे 21,974.45 अंक पर खुला लेकिन बाद में इसने कुछ नुकसान की भरपाई कर ली। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फिनसर्व, एच-सीएल टेक्नोलॉजीज, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मास्युटिकल्स, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी इंडिया, टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी ओर, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, जोमैटो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं।

वर्ष 9, पूर्णांक 4167 अंक 316, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in